



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, वीरवार, 12 जून, 2008/22 ज्येष्ठ, 1930

हिमाचल प्रदेश सरकार

विधि विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 16 जनवरी, 2008

संख्या : एल.एल.आर.-ए(3)-1/2002.- हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 (1987 का 39) की धारा 6 की उप धारा (5) और (6) के साथ पठित धारा 28 की उप धारा (2) के खण्ड(ड़) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति के परामर्श से, इस विभाग की अधिसूचना संख्या एल.एल.आर.-बी(14)-4/96 तारीख 5.2.1998 द्वारा अधिसूचित और राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (साधारण) में तारीख 11.4.1998 को प्रकाशित हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, वरिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक (वर्ग-III, अराजपत्रित), भर्ती और प्रोन्नति नियम, 1998 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, वरिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक (वर्ग-III, अराजपत्रित), भर्ती और प्रोन्नति (प्रथम संशोधन) नियम, 2008 है।

(2) ये नियम राजपत्र हिमाचल प्रदेश में इनके प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. नियम 10 का संशोधन.— हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, वरिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक (वर्ग-III अराजपत्रित), भर्ती और प्रोन्नति नियम, 1998 (जिसे इसमें इसके पश्चात्, “उक्त नियम” निर्दिष्ट किया गया है) के उपाबन्ध की स्तम्भ संख्या 10 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

‘शत प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा, ऐसा न होने पर सैकेण्डेन्ट द्वारा, दोनों के न होने पर सीधी भर्ती द्वारा या संविदा आधार पर।’

3. नियम 15—क का अन्तःस्थापन.— उक्त नियमों की विद्यमान स्तम्भ संख्या 15 के पश्चात् निम्नलिखित नियम 15—क अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“15—क” संविदा आधार पर पद पर नियुक्ति हेतु चयन और नियुक्ति के निबन्धन और शर्तें :

- (क) संविदा आधार पर चयन, भर्ती अभिकरण के माध्यम से, या विभागीय भर्ती समिति द्वारा, जैसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर गठित की जाए, किया जाएगा।
- (ख) सदस्य सचिव रिक्त पदों को संविदा के आधार पर भरने के लिए कार्यकारी अध्यक्ष का अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात् अध्यक्ष को प्रदेश में नियोजनालयों के समक्ष रखेगा और दो अग्रणी समाचार पत्रों में भी उसे विज्ञापित करवाएगा और विहित अर्हताओं और इन नियमों में यथाविहित अन्य पात्रता शर्तों को पूरा करने वाले अभ्यर्थियों से आवेदन आमन्त्रित करेगा।
- (ग) संविदा के आधार पर नियुक्ति के लिए चयनित अभ्यर्थी प्रारम्भ में एक वर्ष के लिए नियुक्त किया जाएगा और ऐसे नियुक्त व्यक्तियों की सेवाओं को अपेक्षा आधार पर बढ़ाया जाएगा और ऐसे नियुक्त व्यक्तियों के कार्य, आचरण और कार्यक्षमता के उच्च स्तर के अधीन इस समय अवधि को और बढ़ाया जा सकेगा। तथापि उनकी सेवाएं संविदा अवधि के पूर्ण होने से पूर्व, यदि उनकी सेवाएं कार्य की अनुपलब्धता के कारण अपेक्षित नहीं हैं, एक मास का नोटिस जारी करके या नोटिस के बदले में एक मास का वेतन देकर समाप्त की जा सकेगी, जिसके लिए पहले आया अन्त में जाएगा (फर्स्ट कम लास्ट गो) के सिद्धान्त का अनुसरण किया जाएगा। उनकी सेवाएं संविदा अवधि के दौरान भी समाप्त की जा सकेगी। यदि उनका आचरण और कार्य सन्तोषप्रद नहीं पाया जाता है, जिसके लिए सुनवाई का सम्यक् अवसर दिए जाने के लिए नोटिस दिया जाएगा।
- (घ) संविदा पर नियुक्त व्यक्तियों को एकमुश्त नियत मासिक मजदूरी जैसी सरकार द्वारा समय-समय पर नियत की जाए, संदत्त की जाएगी।
- (ङ) इन नियमों के अधीन इस प्रकार चयनित संविदा पर नियुक्त व्यक्ति को विभाग में सरकारी नौकरी (जॉब) में नियमितिकरण या स्थाई आमेहन का दावा करने का कोई अधिकार नहीं होगा।
- (च) (i) नियुक्ति समाप्त किए जाने के लिए दायी होगी यदि संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का कार्य/आचरण संतोषप्रद नहीं पाया जाता है।
- (ii) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति एक मास की सेवा पूरी करने के पश्चात् एक दिन के आकस्मिक अवकाश का हकदार होगा। यह अवकाश एक वर्ष तक संचित किया जा सकेगा। संविदा पर नियुक्त व्यक्ति को किसी भी प्रकार का अन्य कोई अवकाश अनुज्ञात नहीं होगा। वह चिकित्सा प्रतिपूर्ति और एल0टी0सी0 ईत्यादि के लिए भी हकदार नहीं होगा/होगी केवल प्रसूति अवकाश नियमानुसार दिया जाएगा।

- (iii) नियन्त्रक अधिकारी के अनुमोदन के बिना कर्तव्यों से अनुपस्थिति से स्वतः ही संविदा की समाप्ति (पर्यावसान) हो जाएगी। संविदा पर नियुक्त व्यक्ति कर्तव्य से अनुपस्थिति की अवधि के लिए मजदूरी का हकदार नहीं होगा।
- (iv) चयनित अभ्यर्थी को सरकारी/रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायी से अपना आरोग्य प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। बारह सप्ताह से अधिक समय से गर्भवती महिला प्रसव होने तक, अस्थाई तौर पर अनुपयुक्त समझी जाएगी। महिला अभ्यर्थियों का किसी प्राधिकृत चिकित्सा अधिकारी/व्यवसायी द्वारा उपयुक्तता के लिए पुनः परीक्षण किया जाएगा।
- (v) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का यदि पदीय कर्तव्यों के सम्बन्ध में दौरे पर जाना अपेक्षित हो, तो वह उसी दर पर, जैसी नियमित कर्मचारी सदस्यों को लागू है, यात्रा भत्ते/दैनिक भत्ते का हकदार होगा/होगी।
- (vi) नियुक्ति के लिए चयन के पश्चात् अभ्यर्थी को इन नियमों से संलग्न उपाबन्ध "ख" के अनुसार करार हस्ताक्षरित करना होगा।

आदेश द्वारा,
जे० एन० बारोवालिया,
विधि परामर्शी-एवं-प्रधान सचिव।

उपाबन्ध-"ख"

और सदस्य सचिव हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, शिमला के मध्य निष्पादित की जाने वाली संविदा/करार का प्रारूप

यह करार श्रीमति/श्री _____ पुत्र/पुत्री
श्री _____ निवासी _____
_____ संविदा पर नियुक्त व्यक्ति (जिसे इसमें इसके पश्चात् "प्रथम पक्षकार" कहा गया है) और
सदस्य सचिव, हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (जिसे इसमें इसके पश्चात् "द्वितीय पक्षकार" कहा
गया है) के मध्य आज तारीख _____ को किया गया।

"द्वितीय पक्षकार" ने उपरोक्त "प्रथम पक्षकार" को लगाया है और "प्रथम पक्षकार" ने वरिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के रूप में संविदा आधार पर निम्नलिखित निबन्धन और शर्तों पर सेवा करने के लिए सहमति दी है :-

1. यह कि "प्रथम पक्षकार" वरिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के रूप में _____ से प्रारम्भ होने और _____ को समाप्त होने वाले दिन तक एक वर्ष की अवधि के लिए द्वितीय पक्षकार की सेवा में रहेगा। यह विनिर्दिष्ट रूप से दोनों पक्षकारों द्वारा करार पाया गया है कि "प्रथम पक्षकार" और "द्वितीय पक्षकार" के मध्य करार, आखिरी कार्य दिवस को अर्थात् _____ दिन को स्वयंमेव ही पर्यवसित (समाप्त) समझा जाएगा और द्वितीय पक्षकार द्वारा प्रथम पक्षकार को इस प्रभाव की सूचना जारी करना आवश्यक नहीं होगा।

2. प्रथम पक्षकार को एकमुश्त नियत मासिक मजदूरी, जैसी सरकार द्वारा समय-समय पर नियत की जाए, संदत्त की जाएगी।

3. इन नियमों के अधीन इस प्रकार चयनित प्रथम पक्षकार को सरकारी नौकरी (जॉब) में नियमितिकरण या स्थाई आमेलन का दावा करने का कोई अधिकार नहीं होगा।

4. नियुक्ति समाप्त किए जाने के लिए दायी होगी यदि प्रथम पक्षकार का कार्य/आचरण संतोषप्रद नहीं पाया जाता है।

5. प्रथम पक्षकार एक मास की सेवा पूरी करने के पश्चात् एक दिन के आकस्मिक अवकाश का हकदार होगा। यह अवकाश एक वर्ष तक संचित किया जा सकेगा। प्रथम पक्षकार को किसी भी प्रकार का अन्य कोई अवकाश अनुज्ञात नहीं होगा। प्रथम पक्षकार चिकित्सा प्रतिपूर्ति और एल0टी0सी0 ईत्यादि के लिए भी हकदार नहीं होगा। महिला कर्मचारियों को प्रसूति अवकाश नियमानुसार दिया जाएगा।

6. प्रथम पक्षकार की नियन्त्रक अधिकारी के अनुमोदन के बिना कर्तव्यों से अनुपस्थिति से स्वतः ही संविदा की समाप्ति (पर्यावसान) हो जाएगा। प्रथम पक्षकार कर्तव्य से अनुपस्थिति की अवधि के लिए मजदूरी का हकदार नहीं होगा।

7. प्रथम पक्षकार को सरकारी/रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायी से अपना आरोग्य प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। महिला अभ्यर्थियों की दशा में, बारह सप्ताह से अधिक समय की गर्भावस्था प्रसव होने तक, उसे अस्थाई तौर पर अनुपयुक्त बना देगी। महिला अभ्यर्थियों का किसी प्राधिकृत चिकित्सा अधिकारी/व्यवसायी द्वारा उपयुक्तता के लिए पुनः परीक्षण किया जाएगा।

8. प्रथम पक्षकार का यदि पदीय कर्तव्यों के सम्बन्ध में दौरे पर जाना अपेक्षित हो, तो वह उसी दर पर, जैसी नियमित कर्मचारी सदस्यों को लागू है, यात्रा भत्ते/दैनिक भत्ते का हकदार होगा।

इसके साक्ष्यस्वरूप पक्षकारों ने निम्नलिखित साक्षियों की उपस्थिति में उपरोक्त लिखित तारीख को इस विलेख पर अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं।

हस्ताक्षर —————

प्रथम पक्षकार

हस्ताक्षर —————

द्वितीय पक्षकार

साक्षी :-

1.

2.

—————
[Authoritative English Text of Department Notification No.LLR-A(3)-1/2002 dated 16th January, 2008 as required under clause (3) of article 348 of the Constitution of India].

LAW DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171 002, the 16th January,2008

No.LLR-A(3)-1/2002.— In exercise of the powers conferred by clause (e) of sub- section (2) of section 28 read with sub sections (5) and (6) of section 6 of the Legal Services Authorities Act,1987(Act No.39 of 1987), the Governor, Himachal Pradesh in consultation with the Chief Justice of the Himachal Pradesh High Court, is pleased to make the following rules further to amend the Himachal Pradesh State Legal Services Authority, Sr. Scale Stenographer (Class III,Non-Gazetted), Recruitment and Promotion Rules,1998 notified vide this Department

Notification No. LLR-B(14)-4/96 dated 5.2.1998 and published in the Rajpatra Himachal Pradesh (ordinary) dated 11.4.1998, namely : -

1. Short title and commencement.— (1) These rules may be called the Himachal Pradesh State Legal Services Authority, Sr. Scale Stenographer (Class-III, Non-Gazetted), Recruitment and Promotion (First Amendment) Rules, 2008.

(2) These rules shall come into force from the date of their publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. Amendment of.— For the provisions against Column No.10 rule 10 of Annexure –I to the Himachal Pradesh State Legal Services Authority, Sr.Scale Stenographer(Class-III, Non-Gazetted), Recruitment and Promotion Rules, 1998 (hereinafter referred to as the “said rules”) the following shall be substituted, namely : -

“100% by promotion failing which by secondment, failing both by direct recruitment or on contract basis.”

3. Insertion of rule 15-A.— After the existing Column No. 15 of the said rules the following rule 15-A shall be inserted , namely :-

“15-A.” Selection for appointment to the post on contract basis and terms and conditions of appointment –

- (a) Selection on contract basis shall be made through the recruiting agency or by the Departmental Recruitment Committee as may be constituted by the competent authority from time to time.
- (b) The Member Secretary, after obtaining the approval of the Executive Chairman to fill up the vacant posts on contract basis shall place the requisition with the Employment Exchanges in the Pradesh and also advertise the posts in two leading news papers and invite applications from the candidates having the prescribed qualifications and fulfilling the other eligibility conditions as prescribed in these rules.
- (c) The candidates selected for appointment on contract basis shall be initially appointed for one year and this time period may be extended depending upon the requirement of the services of such appointees and further subject to high standard of work, conduct and performance of such appointees. However, their services may be terminated even prior to the completion of the contract period by issuing of one month notice or payment of one month wages in lieu of the notice if their services are not required due to non availability of work for which principle of first come last go shall be followed. Their services may also be terminated during the contract period if their conduct and performance is not found satisfactory for which notice with due opportunity of being heard shall be given.
- (d) The contract appointees shall be paid a lump-sum fixed monthly wages as fixed by the Government from time to time.
- (e) The contract appointee so selected under these rules shall not have any right to claim regularization or permanent absorption in Government job in the Department .

- (f) (i) The appointment is liable to be terminated in case the performance/ conduct of the contract appointee is not found satisfactory.
- (ii) The contract appointee shall be entitled for one day casual leave after putting one month service. This leave can be accumulated upto one year. No leave of any other kind is admissible to the contract appointee. He/She shall not be entitled for Medical Reimbursement & LTC etc. Only Maternity Leave shall be given as per rules.
- (iii) The absence from the duties without the approval of the controlling Officer shall automatically lead to the termination of the contract. Contract appointee shall not be entitled for wages for the period of absence from duty.
- (iv) The selected candidate shall submit a certificate of his/her fitness from a Government/ Registered Medical Practitioner. Women candidate, pregnant beyond 12 weeks shall be considered temporarily unfit till the confinement is over. The women candidates shall be reexamined for fitness by an authorized Medical Officer/ Practitioner.
- (v) The contract appointee shall be entitled to TA/DA if he/she is required to go on tour in connection with official duties at the same rate as applicable to the regular staff members. (vi) After the selection of a candidate for appointment, he/she shall sign an agreement as per ANNEXURE "B" appended to these rules."

By order,
J.N.BAROWALIA,
L.R.-cum-Principal Secretary.

ANNEXURE -"B"

FORM OF CONTRACT/AGREEMENT TO BE EXECUTED BETWEEN THE AND THE MEMBER SECRETARY, H.P. STATE LEGAL SERVICES AUTHORITY, SHIMLA.

This Agreement is made on this _____ day of _____ in the year _____ between Smt./Shri _____ S/O _____ /D/O Shri _____ resident of _____ Contract appointee (hereinafter referred to as the "FIRST PARTY"), and the Member Secretary, H.P. State Legal Services Authority (hereinafter referred to as the "SECOND PARTY").

WHEREAS, the SECOND PARTY has engaged the FIRST PARTY and FIRST PARTY has agreed to serve as a Sr. Scale Stenographer on contract basis on the following terms and conditions :-

1. That the FIRST PARTY shall remain in the service of the SECOND PARTY as a Sr. Scale Stenographer for a period of 1 year commencing on the day of _____ and ending on the day of _____. It is specifically agreed upon by both the parties that the agreement between the FIRST PARTY and the SECOND PARTY shall ipso-facto stand terminated on the last working day i.e. on _____ and the serving of notice to this effect to the FIRST PARTY by the SECOND PARTY shall not be necessary.

2. The FIRST PARTY shall be paid a lump-sum fixed monthly wages as fixed by the Government from time to time.

3. The FIRST PARTY so selected under these rules shall not have any right to claim regularization or permanent absorption in the Government job.

4. The appointment is liable to be terminated in case the performance/ conduct of the FIRST PARTY is not found satisfactory.

5. The FIRST PARTY shall be entitled for one day casual leave after putting one month service. This leave can be accumulated upto one year. No leave of any other kind is admissible to the FIRST PARTY. The FIRST PARTY shall not be entitled for Medical Reimbursement & LTC etc. The Maternity Leave shall be given to the female employees as per rules.

6. The absence from duties of the FIRST PARTY without the approval of the controlling officer shall automatically lead to the termination of the contract . The FIRST PARTY shall not be entitled for wages for the period of absence from duty.

7. The FIRST PARTY shall submit a certificate of his/her fitness from a Government/ Registered Medical Practitioner. The women candidate, pregnant beyond 12 weeks shall be considered temporarily unfit till the confinement is over. The women candidates shall be re examined for the fitness by any authorized Medical Officer/Practitioner.

8. The FIRST PARTY shall be entitled to TA/DA if he/she is required to go on tour in connection with official duties at the same rate as applicable to regular staff members.

In witness whereof the parties hereto have signed this deed on the date first above written in the presence of the following witnesses : -

Signature_____

----- (FIRST PARTY)

Signature_____

----- (SECOND PARTY)

WITNESSES : - 1.

2.

विधि विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 16 जनवरी, 2008

संख्या : एल.एल.आर.-ए(3)-1/2002.- हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 (1987 का 39) की धारा 6 की उप धारा (5) और (6) के साथ पठित धारा 28 की उप धारा (2) के खण्ड(ड़) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति के परामर्श से, इस विभाग की अधिसूचना संख्या एल.एल.आर.-बी(14)-4/96 तारीख 27.9.1997 द्वारा अधिसूचित और राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (साधारण) में तारीख 21.3.1998 को प्रकाशित हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक (वर्ग-III, अराजपत्रित), भर्ती आरै प्रोन्नति नियम, 1997 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :-

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.**— (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक (वर्ग—III, अराजपत्रित), भर्ती और प्रोन्नति (प्रथम संशोधन) नियम, 2008 है।

(2) ये नियम राजपत्र हिमाचल प्रदेश में इनके प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. **नियम 10 का संशोधन.**— हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक(वर्ग—III,अराजपत्रित), भर्ती और प्रोन्नति नियम, 1997 (जिसे इसमें इसके पश्चात्, “उक्त नियम” निर्दिष्ट किया गया है) के उपाबन्ध क की स्तम्भ संख्या 10 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

‘शत प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा, ऐसा न होने पर सैकेण्डमैन्ट द्वारा, दोनों के न होने पर सीधी भर्ती द्वारा या संविदा आधार पर।’

3. **नियम 15—क का अन्तःस्थापन.**— उक्त नियमों की विद्यमान स्तम्भ संख्या 15 के पश्चात् निम्नलिखित नियम 15—क अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“15—क” संविदा आधार पर पद पर नियुक्ति हेतु चयन और नियुक्ति के निबन्धन और शर्तें :

- (क) संविदा आधार पर चयन, भर्ती अभिकरण के माध्यम से, या विभागीय भर्ती समिति द्वारा, जैसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा समय—समय पर गठित की जाए, किया जाएगा।
- (ख) सदस्य सचिव रिक्त पदों को संविदा के आधार पर भरने के लिए कार्यकारी अध्यक्ष का अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात् अध्यक्ष को प्रदेश में नियोजनालयों के समक्ष रखेगा और दो अग्रणी समाचार पत्रों में भी उसे विज्ञापित करवाएगा और विहित अर्हताओं और इन नियमों में यथाविहित अन्य पात्रता शर्तों को पूरा करने वाले अभ्यर्थियों से आवेदन आमन्त्रित करेगा।
- (ग) संविदा के आधार पर नियुक्ति के लिए चयनित अभ्यर्थी प्रारम्भ में एक वर्ष के लिए नियुक्त किया जाएगा और ऐसे नियुक्त व्यक्तियों की सेवाओं को अपेक्षा आधार पर बढ़ाया जाएगा और ऐसे नियुक्त व्यक्तियों के कार्य, आचरण और कार्यक्षमता के उच्च स्तर के अधीन इस समय अवधि को और बढ़ाया जा सकेगा। तथापि उनकी सेवाएं संविदा अवधि के पूर्ण होने से पूर्व, यदि उनकी सेवाएं कार्य की अनुपलब्धता के कारण अपेक्षित नहीं हैं, एक मास का नोटिस जारी करके या नोटिस के बदले में एक मास का वेतन देकर समाप्त की जा सकेगी, जिसके लिए पहले आया अन्त में जाएगा (फर्स्ट कम लास्ट गो) के सिद्धान्त का अनुसरण किया जाएगा। उनकी सेवायें संविदा अवधि के दौरान भी समाप्त की जा सकेगी। यदि उनका आचरण और कार्य सन्तोषप्रद नहीं पाया जाता है, जिसके लिए सुनवाई का सम्यक् अवसर दिए जाने के लिए नोटिस दिया जाएगा।
- (घ) संविदा पर नियुक्त व्यक्तियों को एकमुश्त नियत मासिक मजदूरी जैसी सरकार द्वारा समय—समय पर नियत की जाए, संदत्त की जाएगी।
- (ङ) इन नियमों के अधीन इस प्रकार चयनित संविदा पर नियुक्त व्यक्ति को विभाग में सरकारी नौकरी (जॉब) में नियमितिकरण या स्थाई आमेनलन का दावा करने का कोई अधिकार नहीं होगा।
- (च) (i) नियुक्ति समाप्त किए जाने के लिए दायी होगी यदि संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का कार्य/आचरण संतोषप्रद नहीं पाया जाता है।

- (ii) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति एक मास की सेवा पूरी करने के पश्चात् एक दिन के आकस्मिक अवकाश का हकदार होगा। यह अवकाश एक वर्ष तक संचित किया जा सकेगा। संविदा पर नियुक्त व्यक्ति को किसी भी प्रकार का अन्य कोई अवकाश अनुज्ञात नहीं होगा। वह चिकित्सा प्रतिपूर्ति और एल0टी0सी0 ईत्यादि के लिए भी हकदार नहीं होगा/होगी केवल प्रसूति अवकाश नियमानुसार दिया जाएगा।
- (iii) नियन्त्रक अधिकारी के अनुमोदन के बिना कर्तव्यों से अनुपस्थिति से स्वतः ही संविदा की समाप्ति (पर्यावसान) हो जाएगी। संविदा पर नियुक्त व्यक्ति कर्तव्य से अनुपस्थिति की अवधि के लिए मजदूरी का हकदार नहीं होगा।
- (iv) चयनित अभ्यर्थी को सरकारी/रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायी से अपना आरोग्य प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। बारह सप्ताह से अधिक समय से गर्भवती महिलाप्रसव होने तक, अस्थाई तौर पर अनुपयुक्त समझी जाएगी। महिला अभ्यर्थियों का किसी प्राधिकृत चिकित्सा अधिकारी/व्यवसायी द्वारा उपयुक्तता के लिए पुनः परीक्षण किया जाएगा।
- (v) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का यदि पदीय कर्तव्यों के सम्बन्ध में दौरे पर जाना अपेक्षित हो, तो वह उसी दर पर, जैसी नियमित कर्मचारी सदस्यों को लागू है, यात्रा भत्ते/दैनिक भत्ते का हकदार होगा/होगी।
- (vi) नियुक्ति के लिए चयन के पश्चात् अभ्यर्थी को इन नियमों से संलग्न उपाबन्ध "ख" के अनुसार करार हस्ताक्षरित करना होगा।

आदेश द्वारा,
जे0 एन0 बारोवालियाए
विधि परामर्शी-एव- प्रधान सचिव।

उपाबन्ध-"ख"

और सदस्य सचिव हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, शिमला
के मध्य निष्पादित की जाने वाली संविदा/करार का प्रारूप

यह करार श्रीमति/श्री _____ पुत्र/पुत्री
श्री _____ निवासी _____
_____ संविदा पर नियुक्त व्यक्ति (जिसे इसमें इसके पश्चात् "प्रथम पक्षकार" कहा गया है) और
सदस्य सचिव, हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (जिसे इसमें इसके पश्चात् "द्वितीय पक्षकार" कहा
गया है) के मध्य आज तारीख _____ को किया गया।

"द्वितीय पक्षकार" ने उपरोक्त "प्रथम पक्षकार" को लगाया है और "प्रथम पक्षकार" ने कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के रूप में संविदा आधार पर निम्नलिखित निबन्धन और शर्तों पर सेवा करने के लिए सहमति दी है :-

1. यह कि "प्रथम पक्षकार" कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के रूप में _____ से प्रारम्भ होने और _____ को समाप्त होने वाले दिन तक एक वर्ष की अवधि के लिए द्वितीय पक्षकार की सेवा में रहेगा। यह विनिर्दिष्ट रूप से दोनों पक्षकारों द्वारा करार पाया गया है कि "प्रथम पक्षकार" और "द्वितीय पक्षकार" के मध्य करार, आखिरी कार्य दिवस को अर्थात् _____ दिन को स्वयंमेव ही पर्यवसित (समाप्त) समझा जाएगा और द्वितीय पक्षकार द्वारा प्रथम पक्षकार को इस प्रभाव की सूचना जारी करना आवश्यक नहीं होगा।

2. प्रथम पक्षकार को एकमुश्त नियत मासिक मजदूरी, जैसी सरकार द्वारा समय-समय पर नियत की जाए, संदत्त की जाएगी।

3. इन नियमों के अधीन इस प्रकार चयनित प्रथम पक्षकार को सरकारी नौकरी (जॉब) में नियमितिकरण या स्थाई आमेहन का दावा करने का कोई अधिकार नहीं होगा।

4. नियुक्ति समाप्त किए जाने के लिए दायी होगी यदि प्रथम पक्षकार का कार्य/आचरण संतोषप्रद नहीं पाया जाता है।

5. प्रथम पक्षकार एक मास की सेवा पूरी करने के पश्चात् एक दिन के आकस्मिक अवकाश का हकदार होगा। यह अवकाश एक वर्ष तक संचित किया जा सकेगा। प्रथम पक्षकार को किसी भी प्रकार का अन्य कोई अवकाश अनुज्ञात नहीं होगा। प्रथम पक्षकार चिकित्सा प्रतिपूर्ति और एल0टी0सी0 ईत्यादि के लिए भी हकदार नहीं होगा। महिला कर्मचारियों को प्रसूति अवकाश नियमानुसार दिया जाएगा।

6. प्रथम पक्षकार की नियन्त्रक अधिकारी के अनुमोदन के बिना कर्तव्यों से अनुपस्थिति से स्वतः ही संविदा की समाप्ति (पर्यावसान) हो जाएगा। प्रथम पक्षकार कर्तव्य से अनुपस्थिति की अवधि के लिए मजदूरी का हकदार नहीं होगा।

7. प्रथम पक्षकार को सरकारी/रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायी से अपना आरोग्य प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। महिला अभ्यर्थियों की दशा में, बारह सप्ताह से अधिक समय की गर्भावस्था प्रसव होने तक, उसे अस्थाई तौर पर अनुपयुक्त बना देगी। महिला अभ्यर्थियों का किसी प्राधिकृत चिकित्सा अधिकारी/व्यवसायी द्वारा उपयुक्तता के लिए पुनः परीक्षण किया जाएगा।

8. प्रथम पक्षकार का यदि पदीय कर्तव्यों के सम्बन्ध में दौरे पर जाना अपेक्षित हो, तो वह उसी दर पर, जैसी नियमित कर्मचारी सदस्यों को लागू है, यात्रा भत्ते/ दैनिक भत्ते का हकदार होगा।

इसके साक्ष्यस्वरूप पक्षकारों ने निम्नलिखित साक्षियों की उपस्थिति में उपरोक्त लिखित तारीख को इस विलेख पर अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं।

हस्ताक्षर —————

प्रथम पक्षकार

हस्ताक्षर —————

द्वितीय पक्षकार

साक्षी :—

1.

2.

—————
[Authoritative English Text of Department Notification No.LLR-A(3)-1/2002 dated 16th January, 2008 as required under clause (3) of article 348 of the Constitution of India].

LAW DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171 002, the 16th January, 2008

No.LLR-A(3)-1/2002.— In exercise of the powers conferred by clause (e) of sub- section (2) of section 28 read with sub sections (5) and (6) of section 6 of the Legal Services Authorities Act,1987(Act No.39 of 1987), the Governor, Himachal Pradesh in consultation with the Chief Justice of the Himachal Pradesh High Court, is pleased to make the following rules further to

amend the Himachal Pradesh State Legal Services Authority, Junior scale Stenographer (Class III, Non-Gazetted), Recruitment and Promotion Rules, 1997 notified vide this Department Notification No. LLR-B(14)-4/96 dated 27.9.1997 and published in the Rajpatra Himachal Pradesh (ordinary) dated 21.3.1998, namely :-

1. Short title and commencement.— (1) These rules may be called the Himachal Pradesh State Legal Services Authority, Junior Scale Stenographer (Class- III, Non-Gazetted), Recruitment and Promotion (First Amendment) Rules, 2008.

(2) These rules shall come into force from the date of their publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. Amendment of rule 10.— For the provisions against Column No.10 of Annexure-A to the Himachal Pradesh State Legal Services Authority, Junior Scale Stenographer (Class-III, Non-Gazetted), Recruitment and Promotion Rules, 1997 (hereinafter referred to as the “said rules”) the following shall be substituted, namely :-

“100% by promotion failing which by secondment, failing both by direct recruitment or on contract basis.”

3. Insertion of rule 15-A.— After the existing Column No. 15 of the said rules the following rule 15-A shall be inserted, namely :-

“15-A.” Selection for appointment to the post on contract basis and terms and conditions of appointment :-

- (a) Selection on contract basis shall be made through the recruiting agency or by the Departmental Recruitment Committee as may be constituted by the competent authority from time to time.
- (b) The Member Secretary, after obtaining the approval of the Executive Chairman to fill up the vacant posts on contract basis shall place the requisition with the Employment Exchanges in the Pradesh and also advertise the posts in two leading news papers and invite applications from the candidates having the prescribed qualifications and fulfilling the other eligibility conditions as prescribed in these rules.
- (c) The candidates selected for appointment on contract basis shall be initially appointed for one year and this time period may be extended depending upon the requirement of the services of such appointees and further subject to high standard of work, conduct and performance of such appointees. However, their services may be terminated even prior to the completion of the contract period by issuing of one month notice or payment of one month wages in lieu of the notice if their services are not required due to non availability of work for which principle of first come last go shall be followed. Their services may also be terminated during the contract period if their conduct and performance is not found satisfactory for which notice with due opportunity of being heard shall be given.
- (d) The contract appointees shall be paid a lump-sum fixed monthly wages as fixed by the Government from time to time.

- (e) The contract appointee so selected under these rules shall not have any right to claim regularization or permanent absorption in Government job in the Department .
- (f) (i) The appointment is liable to be terminated in case the performance/ conduct of the contract appointee is not found satisfactory.
- (ii) The contract appointee shall be entitled for one day casual leave after putting one month service. This leave can be accumulated upto one year. No leave of any other kind is admissible to the contract appointee. He/She shall not be entitled for Medical Reimbursement & LTC etc. Only Maternity Leave shall be given as per rules.
- (iii) The absence from the duties without the approval of the controlling Officer shall automatically lead to the termination of the contract. Contract appointee shall not be entitled for wages for the period of absence from duty.
- (iv) The selected candidate shall submit a certificate of his/her fitness from a Government/ Registered Medical Practitioner. Women candidate, pregnant beyond 12 weeks shall be considered temporarily unfit till the confinement is over. The women candidates shall be re-examined for fitness by an authorized Medical Officer/ Practitioner.
- (v) The contract appointee shall be entitled to TA/DA if he/she is required to go on tour in connection with official duties at the same rate as applicable to the regular staff members.
- (vi) After the selection of a candidate for appointment , he/she shall sign an agreement as per ANNEXURE-“B” appended to these rules.”

By order,
J.N.BAROWALIA,
L.R.-cum-Principal Secretary.

ANNEXURE -“B”

FORM OF CONTRACT/AGREEMENT TO BE EXECUTED BETWEEN THE AND THE MEMBER SECRETARY, H.P. STATE LEGAL SERVICES AUTHORITY, SHIMLA.

This Agreement is made on this _____ day of _____ in the year _____ between Smt./Shri _____ S/O _____ /D/O Shri _____ resident of _____ Contract appointee (hereinafter referred to as the “FIRST PARTY”), and the Member Secretary, H.P. State Legal Services Authority (hereinafter referred to as the “SECOND PARTY”).

WHEREAS, the SECOND PARTY has engaged the FIRST PARTY and FIRST PARTY has agreed to serve as a Junior Scale Stenographer on contract basis on the following terms and conditions : -

1. That the FIRST PARTY shall remain in the service of the SECOND PARTY as a Junior Scale Stenographer for a period of 1 year commencing on the day of _____ and ending on the day of _____. It is specifically agreed upon by both the parties that the

agreement between the FIRST PARTY and the SECOND PARTY shall ipso-facto stand terminated on the last working day i.e. on _____ and the serving of notice to this effect to the FIRST PARTY by the SECOND PARTY shall not be necessary.

2. The FIRST PARTY shall be paid a lump-sum fixed monthly wages as fixed by the Government from time to time.

3. The FIRST PARTY so selected under these rules shall not have any right to claim regularization or permanent absorption in the Government job.

4. The appointment is liable to be terminated in case the performance/ conduct of the FIRST PARTY is not found satisfactory.

5. The FIRST PARTY shall be entitled for one day casual leave after putting one month service. This leave can be accumulated upto one year. No leave of any other kind is admissible to the FIRST PARTY. The FIRST PARTY shall not be entitled for Medical Reimbursement & LTC etc. The Maternity Leave shall be given to the female employees as per rules.

6. The absence from duties of the FIRST PARTY without the approval of the controlling officer shall automatically lead to the termination of the contract . The FIRST PARTY shall not be entitled for wages for the period of absence from duty.

7. The FIRST PARTY shall submit a certificate of his/her fitness from a Government/ Registered Medical Practitioner. The women candidate, pregnant beyond 12 weeks shall be considered temporarily unfit till the confinement is over. The women candidates shall be re examined for the fitness by any authorized Medical Officer/Practitioner.

8. The FIRST PARTY shall be entitled to TA/DA if he/she is required to go on tour in connection with official duties at the same rate as applicable to regular staff members.

In witness whereof the parties hereto have signed this deed on the date first above written in the presence of the following witnesses : -

Signature_____

----- (FIRST PARTY)

Signature _____

----- (SECOND PARTY)

WITNESSES : - 1.

2.

विधि विभाग**अधिसूचना**

शिमला-2, 16 जनवरी, 2008

संख्या:एल.एल.आर.-ए(3)-1/2002.- हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 (1987 का 39) की धारा 6 की उप धारा (5) और (6) के साथ पठित धारा 28 की उप धारा (2) के खण्ड(ड) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति के परामर्श से, इस विभाग की अधिसूचना संख्या एल.एल.आर.-बी (14)-4/96 तारीख 27.9.1997 द्वारा अधिसूचित और राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (साधारण) में तारीख 11.4.1998 को प्रकाशित हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, चालक (वर्ग-III, अराजपत्रित), भर्ती और प्रोन्नति नियम, 1997 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, चालक (वर्ग-III, अराजपत्रित), भर्ती और प्रोन्नति (प्रथम संशोधन) नियम, 2008 है।

(2) ये नियम राजपत्र हिमाचल प्रदेश में इनके प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. नियम 10 का संशोधन.- हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, चालक (वर्ग-III, अराजपत्रित), भर्ती और प्रोन्नति नियम, 1997 (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त नियम" निर्दिष्ट किया गया है) के उपाबन्ध क की स्तम्भ संख्या 10 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:-

‘शत प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा, ऐसा न होने पर सैकेण्डमैन्ट/स्थानांतरण या संविदा आधार पर।’

3. नियम 15-क का अन्तःस्थापन.- उक्त नियमों की विद्यमान स्तम्भ संख्या 15 के पश्चात् निम्नलिखित नियम 15-क अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

“15-क” संविदा आधार पर पद पर नियुक्ति हेतु चयन और नियुक्ति के निबन्धन और शर्तें :

(क) संविदा आधार पर चयन, भर्ती अभिकरण के माध्यम से, या विभागीय भर्ती समिति द्वारा, जैसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर गठित की जाए, किया जाएगा।

(ख) सदस्य सचिव रिक्त पदों को संविदा के आधार पर भरने के लिए कार्यकारी अध्यक्ष का अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात् अध्यक्ष को प्रदेश में नियोजनालयों के समक्ष रखेगा और दो अग्रणी समाचार पत्रों में भी उसे विज्ञापित करवाएगा और विहित अर्हताओं और इन नियमों में यथाविहित अन्य पात्रता शर्तों को पूरा करने वाले अभ्यर्थियों से आवेदन आमन्त्रित करेगा।

(ग) संविदा के आधार पर नियुक्ति के लिए चयनित अभ्यर्थी प्रारम्भ में एक वर्ष के लिए नियुक्त किया जाएगा और ऐसे नियुक्त व्यक्तियों की सेवाओं को अपेक्षा आधार पर बढ़ाया जाएगा और ऐसे नियुक्त व्यक्तियों के कार्य, आचरण और कार्यक्षमता के उच्च स्तर के अधीन इस समय अवधि को और बढ़ाया जा सकेगा। तथापि उनकी सेवाएं संविदा अवधि के पूर्ण होने से पूर्व, यदि उनकी सेवाएं कार्य की अनुपलब्धता के कारण अपेक्षित नहीं हैं, एक मास का नोटिस जारी करके या नोटिस के बदले में एक मास का वेतन देकर समाप्त की जा सकेगी, जिसके लिए पहले आया अन्त में जाएगा (फर्स्ट कम लास्ट गो) के सिद्धान्त का अनुसरण किया जाएगा। उनकी सेवाएं संविदा अवधि के दौरान भी समाप्त की जा सकेंगी। यदि उनका आचरण और कार्य

सन्तोषप्रद नहीं पाया जाता है, जिसके लिए सुनवाई का सम्यक् अवसर दिए जाने के लिए नोटिस दिया जाएगा ।

- (घ) संविदा पर नियुक्त व्यक्तियों को एकमुश्त नियत मासिक मजदूरी जैसी सरकार द्वारा समय-समय पर नियत की जाए, संदत्त की जाएगी ।
- (ङ.) इन नियमों के अधीन इस प्रकार चयनित संविदा पर नियुक्त व्यक्ति को विभाग में सरकारी नौकरी (जॉब) में नियमितिकरण या स्थाई आमेसन का दावा करने का कोई अधिकार नहीं होगा ।
- (च) (i) नियुक्ति समाप्त किए जाने के लिए दायी होगी यदि संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का कार्य/आचरण संतोषप्रद नहीं पाया जाता है ।
- (ii) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति एक मास की सेवा पूरी करने के पश्चात् एक दिन के आकस्मिक अवकाश का हकदार होगा । यह अवकाश एक वर्ष तक संचित किया जा सकेगा । संविदा पर नियुक्त व्यक्ति को किसी भी प्रकार का अन्य कोई अवकाश अनुज्ञात नहीं होगा । वह चिकित्सा प्रतिपूर्ति और एल0टी0सी0 ईत्यादि के लिए भी हकदार नहीं होगा/होगी केवल प्रसूति अवकाश नियमानुसार दिया जाएगा ।
- (iii) नियन्त्रक अधिकारी के अनुमोदन के बिना कर्तव्यों से अनुपस्थिति से स्वतः ही संविदा की समाप्ति (पर्यावसान) हो जाएगी। संविदा पर नियुक्त व्यक्ति कर्तव्य से अनुपस्थिति की अवधि के लिए मजदूरी का हकदार नहीं होगा ।
- (iv) चयनित अभ्यर्थी को सरकारी/रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायी से अपना आरोग्य प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा । बारह सप्ताह से अधिक समय से गर्भवती महिला प्रसव होने तक, अस्थायी तौर पर अनुपयुक्त समझी जाएगी । महिला अभ्यर्थियों का किसी प्राधिकृत चिकित्सा अधिकारी/व्यवसायी द्वारा उपयुक्तता के लिए पुनः परीक्षण किया जाएगा ।
- (v) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का यदि पदीय कर्तव्यों के सम्बन्ध में दौरे पर जाना अपेक्षित हो, तो वह उसी दर पर, जैसी नियमित कर्मचारी सदस्यों को लागू है, यात्रा भत्ते/दैनिक भत्ते का हकदार होगा/होगी ।
- (vi) नियुक्ति के लिए चयन के पश्चात् अभ्यर्थी को इन नियमों से संलग्न उपाबन्ध "ख" के अनुसार करार हस्ताक्षरित करना होगा ।

आदेश द्वारा,
जे0 एन0 बारोवालिया,
विधि परामर्शी-एवं-प्रधान सचिव ।

उपाबन्ध-"ख"

और सदस्य सचिव हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, शिमला के मध्य निष्पादित की जाने वाली संविदा/करार का प्रारूप

यह करार श्रीमति/श्री _____ पुत्र/पुत्री
श्री _____ निवासी _____
_____ संविदा पर नियुक्त व्यक्ति (जिसे इसमें इसके पश्चात् "प्रथम पक्षकार" कहा गया है) और
सदस्य सचिव, हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (जिसे इसमें इसके पश्चात् "द्वितीय पक्षकार" कहा
गया है) के मध्य आज तारीख _____ को किया गया ।

“द्वितीय पक्षकार” ने उपरोक्त “प्रथम पक्षकार” को लगाया है और “प्रथम पक्षकार” ने चालक के रूप में संविदा आधार पर निम्नलिखित निबन्धन और शर्तों पर सेवा करने के लिए सहमति दी है :-

1. यह कि “प्रथम पक्षकार” चालक के रूप में _____ से प्रारम्भ होने और _____ को समाप्त होने वाले दिन तक एक वर्ष की अवधि के लिए द्वितीय पक्षकार की सेवा में रहेगा। यह विनिर्दिष्ट रूप से दोनों पक्षकारों द्वारा करार पाया गया है कि “प्रथम पक्षकार” और “द्वितीय पक्षकार” के मध्य करार, आखिरी कार्य दिवस को अर्थात् _____ दिन को स्वयंमेव ही पर्यवसित (समाप्त) समझा जाएगा और द्वितीय पक्षकार द्वारा प्रथम पक्षकार को इस प्रभाव की सूचना जारी करना आवश्यक नहीं होगा।

2. प्रथम पक्षकार को एकमुश्त नियत मासिक मजदूरी, जैसी सरकार द्वारा समय-समय पर नियत की जाए, संदत्त की जाएगी।

3. इन नियमों के अधीन इस प्रकार चयनित प्रथम पक्षकार को सरकारी नौकरी (जॉब) में नियमितिकरण या स्थाई आमेदन का दावा करने का कोई अधिकार नहीं होगा।

4. नियुक्ति समाप्त किए जाने के लिए दायी होगी यदि प्रथम पक्षकार का कार्य/आचरण संतोषप्रद नहीं पाया जाता है।

5. प्रथम पक्षकार एक मास की सेवा पूरी करने के पश्चात् एक दिन के आकस्मिक अवकाश का हकदार होगा। यह अवकाश एक वर्ष तक संचित किया जा सकेगा। प्रथम पक्षकार को किसी भी प्रकार का अन्य कोई अवकाश अनुज्ञात नहीं होगा। प्रथम पक्षकार चिकित्सा प्रतिपूर्ति और एल0टी0सी0 इत्यादि के लिए भी हकदार नहीं होगा। महिला कर्मचारियों को प्रसूति अवकाश नियमानुसार दिया जाएगा।

6. प्रथम पक्षकार की नियन्त्रक अधिकारी के अनुमोदन के बिना कर्तव्यों से अनुपस्थिति से स्वतः ही संविदा की समाप्ति (पर्यावसान) हो जाएगा। प्रथम पक्षकार कर्तव्य से अनुपस्थिति की अवधि के लिए मजदूरी का हकदार नहीं होगा।

7. प्रथम पक्षकार को सरकारी/रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायी से अपना आरोग्य प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। महिला अभ्यर्थियों की दशा में, बारह सप्ताह से अधिक समय की गर्भावस्था प्रसव होने तक, उसे अस्थायी तौर पर अनुपयुक्त बना देगी। महिला अभ्यर्थियों का किसी प्राधिकृत चिकित्सा अधिकारी/व्यवसायी द्वारा उपयुक्तता के लिए पुनः परीक्षण किया जाएगा।

8. प्रथम पक्षकार का यदि पदीय कर्तव्यों के सम्बन्ध में दौरे पर जाना अपेक्षित हो, तो वह उसी दर पर, जैसी नियमित कर्मचारी सदस्यों को लागू है, यात्रा भत्ते/दैनिक भत्ते का हकदार होगा।

इसके साक्ष्यस्वरूप पक्षकारों ने निम्नलिखित साक्षियों की उपस्थिति में उपरोक्त लिखित तारीख को इस विलेख पर अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं।

हस्ताक्षर -----

प्रथम पक्षकार

हस्ताक्षर -----

द्वितीय पक्षकार

साक्षी : 1.

2.

[Authoritative English Text of Department Notification No.LLR-A (3)-1/2002 dated 16th January, 2008 as required under clause (3) of article 348 of the Constitution of India.]

LAW DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171 002, the 16th January, 2008

No.LLR-A(3)-1/2002.— In exercise of the powers conferred by clause (e) of sub- section (2) of section 28 read with sub sections (5) and (6) of section 6 of the Legal Services Authorities Act,1987(Act No.39 of 1987), the Governor, Himachal Pradesh in consultation with the Chief Justice of the Himachal Pradesh High Court, is pleased to make the following rules further to amend the Himachal Pradesh State Legal Services Authority,Driver(Class-III,Non-Gazetted), Recruitment and Promotion Rules,1997 notified vide this Department Notification No. LLR-B(14)-4/96 dated 27.9.1997 and published in the Rajpatra, Himachal Pradesh (ordinary) dated 11.4.1998, namely : ---

1. Short title and commencement.— (1) These rules may be called the Himachal Pradesh State Legal Services Authority,Driver(Class-III,Non-Gazetted),Recruitment and Promotion (First Amendment) Rules, 2008.

(2) These rules shall come into force from the date of their publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. Amendment of rule 10.— For the provisions against Column No.10 of Annexure–A to the Himachal Pradesh State Legal Services Authority,Driver (Class-III,Non-Gazetted),Recruitment and Promotion Rules, 1997 (hereinafter referred to as the “said rules”) the following shall be substituted, namely : -

“100% by direct recruitment failing which by secondment/transfer or on contract basis.”

3. Insertion of rule 15-A.— After the existing Column No. 15 of the said rules the following rule 15-A shall be inserted , namely :-

“15-A.” Selection for appointment to the post on contract basis and terms and conditions of appointment :

- (a) Selection on contract basis shall be made through the recruiting agency or by the Departmental Recruitment Committee as may be constituted by the competent authority from time to time.
- (b) The Member Secretary, after obtaining the approval of the Executive Chairman to fill up the vacant posts on contract basis shall place the requisition with the Employment Exchanges in the Pradesh and also advertise the posts in two leading news papers and invite applications from the candidates having the prescribed qualifications and fulfilling the other eligibility conditions as prescribed in these rules.

- (c) The candidates selected for appointment on contract basis shall be initially appointed for one year and this time period may be extended depending upon the requirement of the services of such appointees and further subject to high standard of work, conduct and performance of such appointees. However, their services may be terminated even prior to the completion of the contract period by issuing of one month notice or payment of one month wages in lieu of the notice if their services are not required due to non availability of work for which principle of first come last go shall be followed. Their services may also be terminated during the contract period if their conduct and performance is not found satisfactory for which notice with due opportunity of being heard shall be given.
- (d) The contract appointees shall be paid a lump-sum fixed monthly wages as fixed by the Government from time to time.
- (e) The contract appointee so selected under these rules shall not have any right to claim regularization or permanent absorption in Government job in the Department .
- (f) (i) The appointment is liable to be terminated in case the performance/ conduct of the contract appointee is not found satisfactory.
- (ii) The contract appointee shall be entitled for one day casual leave after putting one month service. This leave can be accumulated upto one year. No leave of any other kind is admissible to the contract appointee. He/She shall not be entitled for Medical Reimbursement & LTC etc. Only Maternity Leave shall be given as per rules.
- (iii) The absence from the duties without the approval of the controlling Officer shall automatically lead to the termination of the contract. Contract appointee shall not be entitled for wages for the period of absence from duty.
- (iv) The selected candidate shall submit a certificate of his/her fitness from a Government/ Registered Medical Practitioner. Women candidate, pregnant beyond 12 weeks shall be considered temporarily unfit till the confinement is over. The women candidates shall be reexamined for fitness by an authorized Medical Officer/Practitioner.
- (v) The contract appointee shall be entitled to TA/DA if he/she is required to go on tour in connection with official duties at the same rate as applicable to the regular staff members.
- (vi) After the selection of a candidate for appointment , he/she shall sign an agreement as per ANNEXURE-“B” appended to these rules.”

By order,
J.N.BAROWALIA,
L.R.-cum-Principal Secretary.

FORM OF CONTRACT/AGREEMENT TO BE EXECUTED BETWEEN THE AND THE MEMBER SECRETARY, H.P. STATE LEGAL SERVICES AUTHORITY, SHIMLA.

This Agreement is made on this _____ day of _____ in the year _____ between Smt./Shri _____ S/O/D/O Shri _____ resident of _____ Contract appointee (hereinafter referred to as the “FIRST PARTY”), and the Member Secretary, H.P. State Legal Services Authority (hereinafter referred to as the “SECOND PARTY”).

WHEREAS, the SECOND PARTY has engaged the FIRST PARTY and FIRST PARTY has agreed to serve as a Driver on contract basis on the following terms and conditions : -

1. That the FIRST PARTY shall remain in the service of the SECOND PARTY as a Driver for a period of 1 year commencing on the day of _____ and ending on the day of _____. It is specifically agreed upon by both the parties that the agreement between the FIRST PARTY and the SECOND PARTY shall ipso-facto stand terminated on the last working day i.e. on _____ and the serving of notice to this effect to the FIRST PARTY by the SECOND PARTY shall not be necessary.

2. The FIRST PARTY shall be paid a lump-sum fixed monthly wages as fixed by the Government from time to time.

3. The FIRST PARTY so selected under these rules shall not have any right to claim regularization or permanent absorption in the Government job.

4. The appointment is liable to be terminated in case the performance/ conduct of the FIRST PARTY is not found satisfactory.

5. The FIRST PARTY shall be entitled for one day casual leave after putting one month service. This leave can be accumulated upto one year. No leave of any other kind is admissible to the FIRST PARTY. The FIRST PARTY shall not be entitled for Medical Reimbursement & LTC etc. The Maternity Leave shall be given to the female employees as per rules.

6. The absence from duties of the FIRST PARTY without the approval of the controlling officer shall automatically lead to the termination of the contract . The FIRST PARTY shall not be entitled for wages for the period of absence from duty.

7. The FIRST PARTY shall submit a certificate of his/her fitness from a Government/Registered Medical Practitioner. The women candidate, pregnant beyond 12 weeks shall be considered temporarily unfit till the confinement is over. The women candidates shall be re-examined for the fitness by any authorized Medical Officer/Practitioner.

8. The FIRST PARTY shall be entitled to TA/DA if he/she is required to go on tour in connection with official duties at the same rate as applicable to regular staff members.

In witness whereof the parties hereto have signed this deed on the date first above written in the presence of the following witnesses : -

----- (FIRST PARTY) Signature _____

----- (SECOND PARTY) Signature _____

WITNESSES : 1.

2.

विधि विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 16 जनवरी, 2008

संख्या:एल.एल.आर.-ए(3)-1/2002.- हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 (1987 का 39) की धारा 6 की उप धारा (5) और (6) के साथ पठित धारा 28 की उप धारा (2) के खण्ड(ड) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति के परामर्श से, इस विभाग की अधिसूचना संख्या एल.एल.आर.-बी(14)-4/96 तारीख 27.9.1997 द्वारा अधिसूचित और राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (साधारण) में तारीख 14.3.1998 को प्रकाशित हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, चपडासी (वर्ग-4, अराजपत्रित), भर्ती और प्रोन्नति नियम, 1997 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :-

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.-** (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, चपडासी (वर्ग-4, अराजपत्रित), भर्ती और प्रोन्नति (प्रथम संशोधन) नियम, 2008 है।

(2) ये नियम राजपत्र हिमाचल प्रदेश में इनके प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. **नियम 10 का संशोधन.-** हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, चपडासी (वर्ग-4 अराजपत्रित), भर्ती और प्रोन्नति नियम, 1997 (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त नियम" निर्दिष्ट किया गया है) के उपाबन्ध क की स्तम्भ संख्या 10 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:-

‘शत प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा, ऐसा न होने पर सैकेण्डमैन्ट/स्थानांतरण या संविदा आधार पर।’

3. **नियम 15-क का अन्तःसीपन.-** उक्त नियमों की विद्यमान स्तम्भ संख्या 15 के पश्चात् निम्नलिखित नियम 15-क अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

“15-क” संविदा आधार पर पद पर नियुक्ति हेतु चयन और नियुक्ति के निबन्धन और शर्तें :

- (क) संविदा आधार पर चयन, भर्ती अभिकरण के माध्यम से, या विभागीय भर्ती समिति द्वारा, जैसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर गठित की जाए, किया जाएगा ।
- (ख) सदस्य सचिव रिक्त पदों को संविदा के आधार पर भरने के लिए कार्यकारी अध्यक्ष का अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात् अध्यक्ष को प्रदेश में नियोजनालयों के समक्ष रखेगा और दो अग्रणी समाचार पत्रों में भी उसे विज्ञापित करवाएगा और विहित अर्हताओं और इन नियमों में यथाविहित अन्य पात्रता शर्तों को पूरा करने वाले अभ्यर्थियों से आवेदन आमन्त्रित करेगा ।
- (ग) संविदा के आधार पर नियुक्ति के लिए चयनित अभ्यर्थी प्रारम्भ में एक वर्ष के लिए नियुक्त किया जाएगा और ऐसे नियुक्त व्यक्तियों की सेवाओं को अपेक्षा आधार पर बढ़ाया जाएगा और ऐसे नियुक्त व्यक्तियों के कार्य, आचरण और कार्यक्षमता के उच्च स्तर के अधीन इस समय अवधि को और बढ़ाया जा सकेगा। तथापि उनकी सेवाएं संविदा अवधि के पूर्ण होने से पूर्व, यदि उनकी सेवाएं कार्य की अनुपलब्धता के कारण अपेक्षित नहीं हैं, एक मास का नोटिस जारी करके या नोटिस के बदले में एक मास का वेतन देकर समाप्त की जा सकेंगी, जिसके लिए पहले आया अन्त में जाएगा(फर्स्ट कम लास्ट गो) के सिद्धान्त का अनुसरण किया जाएगा । उनकी सेवाएं संविदा अवधि के दौरान भी समाप्त की जा सकेंगी। यदि उनका आचरण और कार्य सन्तोषप्रद नहीं पाया जाता है, जिसके लिए सुनवाई का सम्यक् अवसर दिए जाने के लिए नोटिस दिया जाएगा ।
- (घ) संविदा पर नियुक्त व्यक्तियों को एकमुश्त नियत मासिक मजदूरी जैसी सरकार द्वारा समय-समय पर नियत की जाए, संदत्त की जाएगी ।
- (ङ) इन नियमों के अधीन इस प्रकार चयनित संविदा पर नियुक्त व्यक्ति को विभाग में सरकारी नौकरी (जॉब) में नियमितिकरण या स्थाई आमेसन का दावा करने का कोई अधिकार नहीं होगा।
- (च) (i) नियुक्ति समाप्त किए जाने के लिए दायी होगी यदि संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का कार्य/आचरण संतोषप्रद नहीं पाया जाता है ।
- (ii) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति एक मास की सेवा पूरी करने के पश्चात् एक दिन के आकस्मिक अवकाश का हकदार होगा । यह अवकाश एक वर्ष तक संचित किया जा सकेगा । संविदा पर नियुक्त व्यक्ति को किसी भी प्रकार का अन्य कोई अवकाश अनुज्ञात नहीं होगा । वह चिकित्सा प्रतिपूर्ति और एल0टी0सी0 ईत्यादि के लिए भी हकदार नहीं होगा/होगी केवल प्रसूति अवकाश नियमानुसार दिया जाएगा ।
- (iii) नियन्त्रक अधिकारी के अनुमोदन के बिना कर्तव्यों से अनुपस्थिति से स्वतः ही संविदा की समाप्ति (पर्यावसान) हो जाएगी। संविदा पर नियुक्त व्यक्ति कर्तव्य से अनुपस्थिति की अवधि के लिए मजदूरी का हकदार नहीं होगा ।
- (iv) चयनित अभ्यर्थी को सरकारी/रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायी से अपना आरोग्य प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा । बारह सप्ताह से अधिक समय से गर्भवती महिला प्रसव होने तक, अस्थायी तौर पर अनुपयुक्त समझी जाएगी। महिला अभ्यर्थियों का किसी प्राधिकृत चिकित्सा अधिकारी/व्यवसायी द्वारा उपयुक्तता के लिए पुनः परीक्षण किया जाएगा ।
- (v) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का यदि पदीय कर्तव्यों के सम्बन्ध में दौरे पर जाना अपेक्षित हो, तो वह उसी दर पर, जैसी नियमित कर्मचारी सदस्यों को लागू है, यात्रा भत्ते/दैनिक भत्ते का हकदार होगा/होगी ।

(vi) नियुक्ति के लिए चयन के पश्चात् अभ्यर्थी को इन नियमों से संलग्न उपाबन्ध "ख" के अनुसार करार हस्ताक्षरित करना होगा ।

आदेश द्वारा,
जे० एन० बारोवालिया,
विधि परामर्शी—एवं—प्रधान सचिव ।

उपाबन्ध—“ख”

और सदस्य सचिव हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, शिमला के मध्य निष्पादित की जाने वाली संविदा/करार का प्रारूप

यह करार श्रीमति/श्री _____ पुत्र/पुत्री
श्री _____ निवासी _____
_____ संविदा पर नियुक्त व्यक्ति (जिसे इसमें इसके पश्चात् “प्रथम पक्षकार” कहा गया है) और
सदस्य सचिव, हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (जिसे इसमें इसके पश्चात् “द्वितीय पक्षकार” कहा
गया है) के मध्य आज तारीख _____ को किया गया ।

“द्वितीय पक्षकार” ने उपरोक्त “प्रथम पक्षकार” को लगाया है और “प्रथम पक्षकार” ने चपडासी के रूप में संविदा आधार पर निम्नलिखित निबन्धन और शर्तों पर सेवा करने के लिए सहमति दी है :-

1. यह कि “प्रथम पक्षकार” चपडासी के रूप में _____ से प्रारम्भ होने और _____ को समाप्त होने वाले दिन तक एक वर्ष की अवधि के लिए द्वितीय पक्षकार की सेवा में रहेगा। यह विनिर्दिष्ट रूप से दोनों पक्षकारों द्वारा करार पाया गया है कि “प्रथम पक्षकार” और “द्वितीय पक्षकार” के मध्य करार, आखिरी कार्य दिवस को अर्थात् _____ दिन को स्वयंमेव ही पर्यवसित (समाप्त) समझा जाएगा और द्वितीय पक्षकार द्वारा प्रथम पक्षकार को इस प्रभाव की सूचना जारी करना आवश्यक नहीं होगा ।

2. प्रथम पक्षकार को एकमुश्त नियत मासिक मजदूरी, जैसी सरकार द्वारा समय-समय पर नियत की जाए, संदत्त की जाएगी ।

3. इन नियमों के अधीन इस प्रकार चयनित प्रथम पक्षकार को सरकारी नौकरी (जॉब) में नियमितिकरण या स्थाई आमेहन का दावा करने का कोई अधिकार नहीं होगा ।

4. नियुक्ति समाप्त किए जाने के लिए दायी होगी यदि प्रथम पक्षकार का कार्य/आचरण संतोषप्रद नहीं पाया जाता है ।

5. प्रथम पक्षकार एक मास की सेवा पूरी करने के पश्चात् एक दिन के आकस्मिक अवकाश का हकदार होगा । यह अवकाश एक वर्ष तक संचित किया जा सकेगा । प्रथम पक्षकार को किसी भी प्रकार का अन्य कोई अवकाश अनुज्ञात नहीं होगा । प्रथम पक्षकार चिकित्सा प्रतिपूर्ति और एल०टी०सी० इत्यादि के लिए भी हकदार नहीं होगा । महिला कर्मचारियों को प्रसूति अवकाश नियमानुसार दिया जाएगा ।

6. प्रथम पक्षकार की नियन्त्रक अधिकारी के अनुमोदन के बिना कर्तव्यों से अनुपस्थिति से स्वतः ही संविदा की समाप्ति (पर्यावसान) हो जाएगा । प्रथम पक्षकार कर्तव्य से अनुपस्थिति की अवधि के लिए मजदूरी का हकदार नहीं होगा ।

7. प्रथम पक्षकार को सरकारी/रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायी से अपना आरोग्य प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। महिला अभ्यर्थियों की दशा में, बारह सप्ताह से अधिक समय की गर्भावस्था प्रसव होने तक, उसे अस्थाई तौर पर अनुपयुक्त बना देगी। महिला अभ्यर्थियों का किसी प्राधिकृत चिकित्सा अधिकारी/व्यवसायी द्वारा उपयुक्तता के लिए पुनः परीक्षण किया जाएगा।

8. प्रथम पक्षकार का यदि पदीय कर्तव्यों के सम्बन्ध में दौरे पर जाना अपेक्षित हो, तो वह उसी दर पर, जैसी नियमित कर्मचारी सदस्यों को लागू है, यात्रा भत्ते/दैनिक भत्ते का हकदार होगा।

इसके साक्ष्यस्वरूप पक्षकारों ने निम्नलिखित साक्षियों की उपस्थिति में उपरोक्त लिखित तारीख को इस विलेख पर अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं।

हस्ताक्षर _____

प्रथम पक्षकार

हस्ताक्षर _____

द्वितीय पक्षकार

साक्षी : 1-

2-

[Authoritative English Text of the Department Notification No.LLR-A(3)-1/2002,dated 16th January, 2008 as required under clause (3) of article 348 of the Constitution of India.]

LAW DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171 002, the 16th January, 2008

No. LLR-A(3)-1/2002.— In exercise of the powers conferred by clause (e) of sub- section (2) of section 28 read with sub sections (5) and (6) of section 6 of the Legal Services Authorities Act,1987 (Act No.39 of 1987),the Governor, Himachal Pradesh in consultation with the Chief Justice of the Himachal Pradesh High Court, is pleased to make the following rules further to amend the Himachal Pradesh State Legal Services Authority, Peon (Class-IV,Non-Gazetted), Recruitment and Promotion Rules, 1997 notified vide this Department Notification No. LLR-B(14)-4/96, dated 27.9.1997 and published in the Rajpatra Himachal Pradesh (Ordinary) dated 14.3.1998, namely : ---

1. Short title and commencement.— (1) These rules may be called the Himachal Pradesh State Legal Services Authority, Peon(Class-IV,Non-Gazetted), Recruitment and Promotion (First Amendment) Rules, 2008.

(2) These rules shall come into force from the date of their publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. Amendment of rule 10.— For the provisions against Column No.10 of Annexure -A to the Himachal Pradesh State Legal Services Authority,Peon(Class-IV, -Non-Gazetted), Recruitment and Promotion Rules, 1997 (hereinafter referred to as the “said rules”) the following shall be substituted, namely : -

“100% by direct recruitment, failing which by transfer/secondment or on contract basis ”

3. Insertion of rule 15-A.—After the existing Column No. 15 of the said rules the rule 15-A following shall be inserted , namely :-

“15-A.” Selection for appointment to the post on contract basis and terms and conditions of appointment :

- (a) Selection on contract basis shall be made through the recruiting agency or by the Departmental Recruitment Committee as may be constituted by the competent authority from time to time.
- (b) The Member Secretary, after obtaining the approval of the Executive Chairman to fill up the vacant posts on contract basis shall place the requisition with the Employment Exchanges in the Pradesh and also advertise the posts in two leading news papers and invite applications from the candidates having the prescribed qualifications and fulfilling the other eligibility conditions as prescribed in these rules.
- (c) The candidates selected for appointment on contract basis shall be initially appointed for one year and this time period may be extended depending upon the requirement of the services of such appointees and further subject to high standard of work, conduct and performance of such appointees. However, their services may be terminated even prior to the completion of the contract period by issuing of one month notice or payment of one month wages in lieu of the notice if their services are not required due to non availability of work for which principle of first come last go shall be followed. Their services may also be terminated during the contract period if their conduct and performance is not found satisfactory for which notice with due opportunity of being heard shall be given.
- (d) The contract appointees shall be paid a lump-sum fixed monthly wages as fixed by the Government from time to time.
- (e) The contract appointee so selected under these rules shall not have any right to claim regularization or permanent absorption in Government job in the Department .
- (f) (i) The appointment is liable to be terminated in case the performance/ conduct of the contract appointee is not found satisfactory.
- (ii) The contract appointee shall be entitled for one day casual leave after putting one month service. This leave can be accumulated upto one year. No leave of any other kind is admissible to the contract appointee. He/She shall not be entitled for Medical Reimbursement & LTC etc. Only Maternity Leave shall be given as per rules.
- (iii) The absence from the duties without the approval of the controlling Officer shall automatically lead to the termination of the contract. The contract appointee shall not be entitled for wages for the period of absence from duty.
- (iv) The selected candidate shall submit a certificate of his/her fitness from a Government / Registered Medical Practitioner. Women candidate, pregnant beyond 12 weeks shall

be considered temporarily unfit till the confinement is over. The women candidates shall be re-examined for fitness by an authorized Medical Officer/ Practitioner.

- (v) The contract appointee shall be entitled to TA/DA if he/she is required to go on tour in connection with official duties at the same rate as applicable to the regular staff members.
- (vi) After the selection of a candidate for appointment, he/she shall sign an agreement as per ANNEXURE-"B" appended to these rules."

By order,
J.N.BAROWALIA,
L.R.-cum-Principal Secretary.

ANNEXURE -"B"

FORM OF CONTRACT/AGREEMENT TO BE EXECUTED BETWEEN THE AND THE MEMBER SECRETARY, H.P. STATE LEGAL SERVICES AUTHORITY, SHIMLA.

This Agreement is made on this _____ day of _____ in the year _____ between Smt./Shri _____ S/O _____ /D/O Shri _____ resident of _____ Contract appointee (hereinafter referred to as the "FIRST PARTY"), and the Member Secretary, H.P. State Legal Services Authority (hereinafter referred to as the "SECOND PARTY").

WHEREAS, the SECOND PARTY has engaged the FIRST PARTY and FIRST PARTY has agreed to serve as a Peon on contract basis on the following terms and conditions : -

1. That the FIRST PARTY shall remain in the service of the SECOND PARTY as a Peon for a period of 1 year commencing on the day of _____ and ending on the day of _____. It is specifically agreed upon by both the parties that the agreement between the FIRST PARTY and the SECOND PARTY shall ipso-facto stand terminated on the last working day i.e. on _____ and the serving of notice to this effect to the FIRST PARTY by the SECOND PARTY shall not be necessary.
2. The FIRST PARTY shall be paid a lump-sum fixed monthly wages as fixed by the Government from time to time.
3. The FIRST PARTY so selected under these rules shall not have any right to claim regularization or permanent absorption in the Government job.
4. The appointment is liable to be terminated in case the performance/ conduct of the FIRST PARTY is not found satisfactory.
5. The FIRST PARTY shall be entitled for one day casual leave after putting one month service. This leave can be accumulated upto one year. No leave of any other kind is admissible to the FIRST PARTY. The FIRST PARTY shall not be entitled for Medical Reimbursement & LTC etc. The Maternity Leave shall be given to the female employees as per rules.

6. The absence from duties of the FIRST PARTY without the approval of the controlling officer shall automatically lead to the termination of the contract . The FIRST PARTY shall not be entitled for wages for the period of absence from duty.

7. The FIRST PARTY shall submit a certificate of his/her fitness from a Government/Registered Medical Practitioner. The women candidate, pregnant beyond 12 weeks shall be considered temporarily unfit till the confinement is over. The women candidates shall be re-examined for the fitness by any authorized Medical Officer/Practitioner.

8. The FIRST PARTY shall be entitled to TA/DA if he/she is required to go on tour in connection with official duties at the same rate as applicable to regular staff members.

In witness whereof the parties hereto have signed this deed on the date first above written in the presence of the following witnesses : -

Signature_____

----- (FIRST PARTY)

Signature_____

----- (SECOND PARTY)

WITNESSES : 1.

2.

विधि विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 16 जनवरी, 2008

संख्या:एल.एल.आर.-ए(3)-1/2002.- हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 (1987 का 39) की धारा 6 की उप धारा (5) और (6) के साथ पठित धारा 28 की उप धारा (2) के खण्ड(ड) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति के परामर्श से, इस विभाग की अधिसूचना संख्या एल.एल.आर.-ए(3)-2/2002 तारीख 25.11.2004 द्वारा अधिसूचित और राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (साधारण) में तारीख 18.12.2004 को प्रकाशित हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, चौकीदार (वर्ग-4, अराजपत्रित), भर्ती और प्रोन्नति नियम, 2004 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :-

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.-** (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, चौकीदार (वर्ग-4,अराजपत्रित), भर्ती और प्रोन्नति (प्रथम संशोधन) नियम, 2008 है।

(2) ये नियम राजपत्र हिमाचल प्रदेश में इनके प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. **नियम 10 का संशोधन.-** हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, चौकीदार (वर्ग-4 अराजपत्रित), भर्ती और प्रोन्नति नियम, 2004(जिसे इसमें इसके पश्चात, "उक्त नियम" निर्दिष्ट किया गया है) के उपाबन्ध क की स्तम्भ संख्या 10 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:-

‘शत प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा या संविदा आधार पर।’

3. **नियम 15—क का अन्तःस्थापन.**— उक्त नियमों की विद्यमान स्तम्भ संख्या 15 के पश्चात् निम्नलिखित नियम 15—क अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थातः—

“15—क” संविदा आधार पर पद पर नियुक्ति हेतु चयन और नियुक्ति के निबन्धन और शर्तें :

- (क) संविदा आधार पर चयन, भर्ती अभिकरण के माध्यम से, या विभागीय भर्ती समिति द्वारा, जैसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा समय—समय पर गठित की जाए, किया जाएगा ।
- (ख) सदस्य सचिव रिक्त पदों को संविदा के आधार पर भरने के लिए कार्यकारी अध्यक्ष का अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात् अध्यक्ष को प्रदेश में नियोजनालयों के समक्ष रखेगा और दो अग्रणी समाचार पत्रों में भी उसे विज्ञापित करवाएगा और विहित अर्हताओं और इन नियमों में यथाविहित अन्य पात्रता शर्तों को पूरा करने वाले अभ्यर्थियों से आवेदन आमन्त्रित करेगा ।
- (ग) संविदा के आधार पर नियुक्ति के लिए चयनित अभ्यर्थी प्रारम्भ में एक वर्ष के लिए नियुक्त किया जाएगा और ऐसे नियुक्त व्यक्तियों की सेवाओं को अपेक्षा आधार पर बढ़ाया जाएगा और ऐसे नियुक्त व्यक्तियों के कार्य, आचरण और कार्यक्षमता के उच्च स्तर के अधीन इस समय अवधि को और बढ़ाया जा सकेगा। तथापि उनकी सेवाएं संविदा अवधि के पूर्ण होने से पूर्व, यदि उनकी सेवाएं कार्य की अनुपलब्धता के कारण अपेक्षित नहीं हैं, एक मास का नोटिस जारी करके या नोटिस के बदले में एक मास का वेतन देकर समाप्त की जा सकेगी, जिसके लिए पहले आया अन्त में जाएगा (फर्स्ट कम लास्ट गो) के सिद्धान्त का अनुसरण किया जाएगा । उनकी सेवाएं संविदा अवधि के दौरान भी समाप्त की जा सकेंगी। यदि उनका आचरण और कार्य सन्तोषप्रद नहीं पाया जाता है, जिसके लिए सुनवाई का सम्यक् अवसर दिए जाने के लिए नोटिस दिया जाएगा ।
- (घ) संविदा पर नियुक्त व्यक्तियों को एकमुश्त नियत मासिक मजदूरी जैसी सरकार द्वारा समय—समय पर नियत की जाए, संदत्त की जाएगी ।
- (ङ.) इन नियमों के अधीन इस प्रकार चयनित संविदा पर नियुक्त व्यक्ति को विभाग में सरकारी नौकरी (जॉब) में नियमितिकरण या स्थाई आमेसन का दावा करने का कोई अधिकार नहीं होगा ।
- (च) (i) नियुक्ति समाप्त किए जाने के लिए दायी होगी यदि संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का कार्य/आचरण संतोषप्रद नहीं पाया जाता है ।
- (ii) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति एक मास की सेवा पूरी करने के पश्चात् एक दिन के आकस्मिक अवकाश का हकदार होगा । यह अवकाश एक वर्ष तक संचित किया जा सकेगा । संविदा पर नियुक्त व्यक्ति को किसी भी प्रकार का अन्य कोई अवकाश अनुज्ञात नहीं होगा । वह चिकित्सा प्रतिपूर्ति और एल0टी0सी0 ईत्यादि के लिए भी हकदार नहीं होगा/होगी केवल प्रसूति अवकाश नियमानुसार दिया जाएगा ।
- (iii) नियन्त्रक अधिकारी के अनुमोदन के बिना कर्तव्यों से अनुपस्थिति से स्वतः ही संविदा की समाप्ति (पर्यावसान) हो जाएगी। संविदा पर नियुक्त व्यक्ति कर्तव्य से अनुपस्थिति की अवधि के लिए मजदूरी का हकदार नहीं होगा ।
- (iv) चयनित अभ्यर्थी को सरकारी/रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायी से अपना आरोग्य प्रमाण—पत्र प्रस्तुत करना होगा । बारह सप्ताह से अधिक समय से गर्भवती महिला प्रसव होने तक, अस्थायी तौर पर अनुपयुक्त समझी जाएगी । महिला अभ्यर्थियों का किसी प्राधिकृत चिकित्सा अधिकारी/व्यवसायी द्वारा उपयुक्तता के लिए पुनः परीक्षण किया जाएगा ।

- (v) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का यदि पदीय कर्तव्यों के सम्बन्ध में दौरे पर जाना अपेक्षित हो, तो वह उसी दर पर, जैसी नियमित कर्मचारी सदस्यों को लागू है, यात्रा भत्ते/दैनिक भत्ते का हकदार होगा/होगी ।
- (vi) नियुक्ति के लिए चयन के पश्चात् अभ्यर्थी को इन नियमों से संलग्न उपाबन्ध "ख" के अनुसार करार हस्ताक्षरित करना होगा ।

आदेश द्वारा,
जे० एन० बारोवालिया,
विधि परामर्शी-एवं-प्रधान सचिव ।

उपाबन्ध—"ख"

और सदस्य सचिव हिमाचल प्रदेश राज्य
विधिक सेवा प्राधिकरण, शिमला के मध्य निष्पादित की जाने वाली संविदा/करार का प्रारूप

यह करार श्रीमति/श्री _____ पुत्र/पुत्री
श्री _____ निवासी _____
संविदा पर नियुक्त व्यक्ति (जिसे इसमें इसके पश्चात् "प्रथम पक्षकार" कहा गया है) और
सदस्य सचिव, हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (जिसे इसमें इसके पश्चात् "द्वितीय पक्षकार" कहा
गया है) के मध्य आज तारीख _____ को किया गया ।

"द्वितीय पक्षकार" ने उपरोक्त "प्रथम पक्षकार" को लगाया है और "प्रथम पक्षकार" ने चौकीदार के रूप
में संविदा आधार पर निम्नलिखित निबन्धन और शर्तों पर सेवा करने के लिए सहमति दी है :—

1. यह कि "प्रथम पक्षकार" चौकीदार के रूप में _____ से प्रारम्भ होने
और _____ को समाप्त होने वाले दिन तक एक वर्ष की अवधि के लिए द्वितीय पक्षकार की
सेवा में रहेगा । यह विनिर्दिष्ट रूप से दोनों पक्षकारों द्वारा करार पाया गया है कि "प्रथम पक्षकार" और
"द्वितीय पक्षकार" के मध्य करार, आखिरी कार्य दिवस को अर्थात् _____ दिन को स्वयंमेव
ही पर्यवसित (समाप्त) समझा जाएगा और द्वितीय पक्षकार द्वारा प्रथम पक्षकार को इस प्रभाव की सूचना जारी
करना आवश्यक नहीं होगा ।

2. प्रथम पक्षकार को एकमुश्त नियत मासिक मजदूरी, जैसी सरकार द्वारा समय-समय पर नियत
की जाए, संदत्त की जाएगी ।

3. इन नियमों के अधीन इस प्रकार चयनित प्रथम पक्षकार को सरकारी नौकरी (जॉब) में
नियमितिकरण या स्थाई आमेदन का दावा करने का कोई अधिकार नहीं होगा ।

4. नियुक्ति समाप्त किए जाने के लिए दायी होगी यदि प्रथम पक्षकार का कार्य/आचरण संतोषप्रद
नहीं पाया जाता है ।

5. प्रथम पक्षकार एक मास की सेवा पूरी करने के पश्चात् एक दिन के आकस्मिक अवकाश का
हकदार होगा । यह अवकाश एक वर्ष तक संचित किया जा सकेगा । प्रथम पक्षकार को किसी भी प्रकार का
अन्य कोई अवकाश अनुज्ञात नहीं होगा । प्रथम पक्षकार चिकित्सा प्रतिपूर्ति और एल०टी०सी० इत्यादि के लिए
भी हकदार नहीं होगा । महिला कर्मचारियों को प्रसूति अवकाश नियमानुसार दिया जाएगा ।

6. प्रथम पक्षकार की नियन्त्रक अधिकारी के अनुमोदन के बिना कर्तव्यों से अनुपस्थिति से स्वतः ही संविदा की समाप्ति (पर्यावसान) हो जाएगा। प्रथम पक्षकार कर्तव्य से अनुपस्थिति की अवधि के लिए मजदूरी का हकदार नहीं होगा।

7. प्रथम पक्षकार को सरकारी/रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायी से अपना आरोग्य प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। महिला अभ्यर्थियों की दशा में, बारह सप्ताह से अधिक समय की गर्भावस्था प्रसव होने तक, उसे अस्थाई तौर पर अनुपयुक्त बना देगी। महिला अभ्यर्थियों का किसी प्राधिकृत चिकित्सा अधिकारी/व्यवसायी द्वारा उपयुक्तता के लिए पुनः परीक्षण किया जाएगा।

8. प्रथम पक्षकार का यदि पदीय कर्तव्यों के सम्बन्ध में दौरे पर जाना अपेक्षित हो, तो वह उसी दर पर, जैसी नियमित कर्मचारी सदस्यों को लागू है, यात्रा भत्ते/दैनिक भत्ते का हकदार होगा।

इसके साक्ष्यस्वरूप पक्षकारों ने निम्नलिखित साक्षियों की उपस्थिति में उपरोक्त लिखित तारीख को इस विलेख पर अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं।

हस्ताक्षर -----

प्रथम पक्षकार

हस्ताक्षर -----

द्वितीय पक्षकार

साक्षी : 1-

2-

[Authoritative English Text of the Department Notification No.LLR-A(3)-1/2002,dated 16th January, 2008 as required under clause (3) of article 348 of the Constitution of India.]

LAW DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171002, the 16th January, 2008

No. LLR-A(3)-1/2002.— In exercise of the powers conferred by clause (e) of sub- section (2) of section 28 read with sub sections (5) and (6) of section 6 of the Legal Services Authorities Act,1987 (Act No.39 of 1987),the Governor, Himachal Pradesh in consultation with the Chief Justice of the Himachal Pradesh High Court, is pleased to make the following rules further to amend the Himachal Pradesh State Legal Services Authority, Chowkidar(Class-IV,Non-Gazetted), Recruitment and Promotion Rules, 2004 notified vide this Department Notification No. LLR-A(3)-2/2002, dated 25.11.2004 and published in the Rajpatra Himachal Pradesh (Ordinary) dated 18.12.2004, namely : ---

1. Short title and commencement.— (1) These rules may be called the Himachal Pradesh State Legal Services Authority, Chowkidar(Class-IV,Non-Gazetted), Recruitment and Promotion (First Amendment) Rules, 2008.

(2) These rules shall come into force from the date of their publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. Amendment of rule 10.— For the provisions against Column No.10 of Annexure-A to the Himachal Pradesh State Legal Services Authority, Chowkidar (Class-IV,-Non-Gazetted), Recruitment and Promotion Rules, 2004 (hereinafter referred to as the “said rules”) the following shall be substituted, namely : -

“100% by direct recruitment or on contract basis ”

3. Insertion of rule 15-A.— After the existing Column No. 15 of the said rules the following rule 15-A shall be inserted , namely :-

“15-A.” Selection for appointment to the post on contract basis and terms and conditions of appointment :

- (a) Selection on contract basis shall be made through the recruiting agency or by the Departmental Recruitment Committee as may be constituted by the competent authority from time to time.
- (b) The Member Secretary, after obtaining the approval of the Executive Chairman to fill up the vacant posts on contract basis shall place the requisition with the Employment Exchanges in the Pradesh and also advertise the posts in two leading news papers and invite applications from the candidates having the prescribed qualifications and fulfilling the other eligibility conditions as prescribed in these rules.
- (c) The candidates selected for appointment on contract basis shall be initially appointed for one year and this time period may be extended depending upon the requirement of the services of such appointees and further subject to high standard of work, conduct and performance of such appointees. However, their services may be terminated even prior to the completion of the contract period by issuing of one month notice or payment of one month wages in lieu of the notice if their services are not required due to non availability of work for which principle of first come last go shall be followed. Their services may also be terminated during the contract period if their conduct and performance is not found satisfactory for which notice with due opportunity of being heard shall be given.
- (d) The contract appointees shall be paid a lump-sum fixed monthly wages as fixed by the Government from time to time.
- (e) The contract appointee so selected under these rules shall not have any right to claim regularization or permanent absorption in Government job in the Department .
- (f) (i) The appointment is liable to be terminated in case the performance/ conduct of the contract appointee is not found satisfactory.
- (ii) The contract appointee shall be entitled for one day casual leave after putting one month service. This leave can be accumulated upto one year. No leave of any other kind is admissible to the contract appointee. He/She shall not be entitled for Medical Reimbursement & LTC etc. Only Maternity Leave shall be given as per rules.
- (ii) The absence from the duties without the approval of the controlling Officer shall automatically lead to the termination of the contract. The contract appointee shall not be entitled for wages for the period of absence from duty.

- (iv) The selected candidate shall submit a certificate of his/her fitness from a Government / Registered Medical Practitioner. Women candidate, pregnant beyond 12 weeks shall be considered temporarily unfit till the confinement is over. The women candidates shall be re-examined for fitness by an authorized Medical Officer/ Practitioner.
- (v) The contract appointee shall be entitled to TA/DA if he/she is required to go on tour in connection with official duties at the same rate as applicable to the regular staff members.
- (vi) After the selection of a candidate for appointment, he/she shall sign an agreement as per ANNEXURE-“B” appended to these rules.”

By order,
J.N.BAROWALIA,
L.R.-cum-Principal Secretary.

ANNEXURE -“B”

FORM OF CONTRACT/AGREEMENT TO BE EXECUTED BETWEEN THE AND THE MEMBER SECRETARY, H.P. STATE LEGAL SERVICES AUTHORITY, SHIMLA.

This Agreement is made on this _____ day of _____ in the year _____ between Smt./Shri _____ S/O _____ /D/O Shri _____ resident of _____ Contract appointee (hereinafter referred to as the “FIRST PARTY”), and the Member Secretary, H.P. State Legal Services Authority (hereinafter referred to as the “SECOND PARTY”).

WHEREAS, the SECOND PARTY has engaged the FIRST PARTY and FIRST PARTY has agreed to serve as a Chowkidar on contract basis on the following terms and conditions : -

1. That the FIRST PARTY shall remain in the service of the SECOND PARTY as a Chowkidar for a period of 1 year commencing on the day of _____ and ending on the day of _____. It is specifically agreed upon by both the parties that the agreement between the FIRST PARTY and the SECOND PARTY shall ipso-facto stand terminated on the last working day i.e. on _____ and the serving of notice to this effect to the FIRST PARTY by the SECOND PARTY shall not be necessary.
2. The FIRST PARTY shall be paid a lump-sum fixed monthly wages as fixed by the Government from time to time.
3. The FIRST PARTY so selected under these rules shall not have any right to claim regularization or permanent absorption in the Government job.
4. The appointment is liable to be terminated in case the performance/ conduct of the FIRST PARTY is not found satisfactory.
5. The FIRST PARTY shall be entitled for one day casual leave after putting one month service. This leave can be accumulated upto one year. No leave of any other kind is admissible to the FIRST PARTY. The FIRST PARTY shall not be entitled for Medical Reimbursement & LTC etc. The Maternity Leave shall be given to the female employees as per rules.

6. The absence from duties of the FIRST PARTY without the approval of the controlling officer shall automatically lead to the termination of the contract . The FIRST PARTY shall not be entitled for wages for the period of absence from duty.

7. The FIRST PARTY shall submit a certificate of his/her fitness from a Government/Registered Medical Practitioner. The women candidate, pregnant beyond 12 weeks shall be considered temporarily unfit till the confinement is over. The women candidates shall be re-examined for the fitness by any authorized Medical Officer/Practitioner.

8. The FIRST PARTY shall be entitled to TA/DA if he/she is required to go on tour in connection with official duties at the same rate as applicable to regular staff members.

In witness whereof the parties hereto have signed this deed on the date first above written in the presence of the following witnesses : -

Signature_____

----- (FIRST PARTY)

Signature_____

----- (SECOND PARTY)

WITNESSES : 1.

2.

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी (तहसीलदार) सदर, जिला बिलासपुर (हि0 प्र0)

मिसल नं0

गांव

तारीख पेशी

लुहणु कनैतां

16-7-08

श्री कमल सिंह पुत्र बलदेव सिंह, निवासी गांव लुहणु कनैतां, तहसील सदर, जिला बिलासपुर, (हि0 प्र0) ।

. प्रार्थी ।

बनाम

आम जनता

आवेदन पत्र अधीन धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

प्रार्थी कमल सिंह पुत्र बलदेव सिंह, निवासी गांव लुहणु कनैतां, तहसील सदर, जिला बिलासपुर (हि0 प्र0) ने अधोहस्ताक्षरी की न्यायालय में प्रार्थना-पत्र मय शपथ-पत्र गुजार रखा है कि उसकी पुत्री प्रनिता चन्देल व पुत्र विक्रम सिंह का जन्म क्रमशः दिनांक 16-8-97 व 30-3-07 को हुआ है । परन्तु ग्राम पंचायत कन्दौर के अभिलेख में जन्म तिथियां पंजीकृत न है । अतः इसे पंजीकृत करने के आदेश दिए जाएं ।

इस नोटिस के द्वारा समस्त जनता को तथा सम्बन्धित सम्बन्धियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उपरोक्त प्रनिता चन्देल व विक्रम सिंह की जन्म तिथियों को पंचायत अभिलेख में पंजीकरण किए जाने बारे कोई एतराज हो तो वह अपना एतराज हमारी न्यायालय में दिनांक 16-7-08 को असालतन या

वकालतन हाजिर आकर पेश कर सकता है। अन्यथा मुताबिक शपथ-पत्र जन्म तिथियों को पंजीकृत करने के आदेश पारित कर दिए जायेंगे।

आज दिनांक 31-3-08 को हस्ताक्षर हमारे व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ता/-

कार्यकारी दण्डाधिकारी (तहसीलदार) सदर,
जिला बिलासपुर (हि0 प्र0)।

ब अदालत उप-पंजीकाध्यक्ष (तहसीलदार) सदर, जिला बिलासपुर (हि0 प्र0)

मिसल नं0
2/08

तारीख पेशी
16-7-08

गांव
बरोग

श्री प्यारे लाल पुत्र धारी राम, जात कवीर पंथी, साकन बरोग, तहसील सदर, जिला बिलासपुर, (हि0 प्र0)। . प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

. फरीकदोयम।

आवेदन पत्र जेर धारा 40-41 भारतीय पंजीयन अधिनियम, निसवत पंजीकृत करने वसीयत नामा मृत्क वाल्द का जो दिनांक 9-4-08 को तैहरीर करवा रखी है।

श्री प्यारे लाल पुत्र श्री धारी राम, निवासी बरोग, तहसील सदर, जिला बिलासपुर, (हि0 प्र0) ने अधोहस्ताक्षरी की न्यायालय में आवेदन पत्र गुजारा है कि उसके मृत्क वाल्द धारी राम ने मुकाम कचैहरी बिलासपुर में दिनांक 9-4-08 को एक वसीयत नामा तहरीर करवाई थी। जो कि वाल्द के अचानक बिमार हो जाने के कारण उप-पंजीकाध्यक्ष से पंजीकृत नहीं करवाया जा सका अतः अब वसीयत नामा को पंजीकृत किया जावे।

अतः इस इश्तहार राजपत्र के द्वारा आम जनता व सभी सम्बन्धित सम्बन्धियों को सूचित किया जाता है कि अगर किसी को मृत्क धारी राम, निवासी बरोग द्वारा दिनांक 9-4-08 को तहरीर करवाई गई वसीयत नामा को पंजीकृत करने बारे कोई उजर/एतराज हो तो वह दिनांक 16-7-08 को प्रातः 10.00 बजे अधोहस्ताक्षरी की न्यायालय में असालतन या वकालतन प्रस्तुत होकर अपनी उजर/एतराज पेश कर सकता है। किसी किस्म का उजर/एतराज पेश न होने की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर वसीयतनामा को पंजीकृत करने के ओदश पारित कर दिए जावेंगे। तथा इसके उपरान्त कोई भी उजर/एतराज जेरे समायत न होगा।

आज दिनांक 31-5-08 को हस्ताक्षर हमारे व मोहर न्यायालय से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ता0/-

उप-पंजीकाध्यक्ष सदर,
जिला बिलासपुर (हि0 प्र0)।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी (तहसीलदार) सदर, जिला बिलासपुर (हि0 प्र0)

मिसल नं0.....

तारीख पेशी

गांव

16-7-08

राजपुरा

श्री फुली राम पुत्र श्री मोती राम, निवासी गांव राजपुरा, तहसील सदर, जिला बिलासपुर (हि0 प्र0) ।

. प्रार्थी ।

बनाम

आम जनता

. फरीकदोयम ।

आवेदन पत्र अधीन धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

प्रार्थी फुली राम पुत्र मोती राम, निवासी गांव राजपुरा, तहसील सदर, जिला बिलासपुर, (हि0 प्र0) ने आवेदन पत्र मय ब्यान हल्फी गुजारा है कि उसकी पुत्री नीला कुमारी का जन्म दिनांक 30-3-1993 को हुआ है । परन्तु ग्राम पंचायत राजपुरा के अभिलेख में जन्म तिथि पंजीकृत न है । अतः अब जन्म तिथि को पंजीकृत करने के आदेश दिए जाएं ।

इस नोटिस के द्वारा समस्त जनता को तथा सम्बन्धित सम्बन्धियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को नीला कुमारी की जन्म तिथि को पंचायत अभिलेख में दर्ज करने बारे कोई उजर/एतराज हो तो वह दिनांक 16-7-08 को प्रातः 10.00 बजे अधोहस्ताक्षरी की न्यायालय में असालतन या वकालतन अपना उजर एवं एतराज पेश कर सकता है । कोई उजर एवं एतराज पेश न होने की सूरत में उपरोक्त जन्म तिथि को पंचायत अभिलेख में दर्ज करने के आदेश पारित कर दिए जायेंगे ।

आज दिनांक 31-5-08 को हस्ताक्षर हमारे व मोहर न्यायालय से जारी हुआ ।

मोहर ।

हस्ता0/-

कार्यकारी दण्डाधिकारी सदर,
जिला बिलासपुर (हि0 प्र0) ।

ब अदालत जनाब श्री प्रेम सिंह दुलटा कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील सांगला, जिला किन्नौर, (हि0 प्र0)

केस नं0 त0 स0 (रीडर)/07

मथुरा देवी विधवा श्री दयाराम नेगी, निवासी सांगला, तहसील सांगला

. प्रार्थी ।

मथुरा

बनाम

आम जनता सांगला ।

उप महाल सांगला

दरखास्त जेर दफा 13(3) जन्म व मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

आदेश

मथुरा देवी उपरोक्त ने इस अदालत में एक दरखास्त गुजार रखी है उसके साथ एक शपथ-पत्र भी गुजार रखा है कि उसके बेटा/बेटी दीपिका नेगी पुत्री स्व० श्री दयाराम, निवासी सांगला की पुत्री का जन्म 27-3-1997 है जोकि ग्राम पंचायत सांगला में दर्ज नहीं है को अब पंचायत पंजी में दर्ज करवाना चाहती है ।

अतः इस इशतहार के माध्यम से सर्वसाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त जन्म तिथि ग्राम पंचायत में दर्ज करने बारे किसी भी व्यक्ति को कोई एतराज हो तो वह अपना एतराज स्वयं या किसी प्राधिकृत एजेंट के द्वारा अपना एतराज अदालत में मिति 3-7-08 तक प्रस्तुत कर सकता है । अन्यथा एक तरफा कारवाई अमल में लाई जाकर उपरोक्त जन्म तिथि ग्राम पंचायत सम्बन्धित में दर्ज करने के आदेश पारित किये जायेंगे ।

आज दिनांक 28-5-2008 को हस्ताक्षर मेरे व मोहर अदालत से जारी हुआ ।

मोहर ।

प्रेम सिंह दुल्ला,
कार्यकारी दण्डाधिकारी सांगला,
जिला किन्नौर, (हि० प्र०) ।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील सांगला, जिला किन्नौर, (हि० प्र०)

केस नं० त० स० (रीडर)/07-492

तारीख : 30-5-08

श्री पुरन राम पुत्र श्री रत्न चन्द, निवासी सांगला, त० सांगला, जिला किन्नौर ।

बनाम

दौलत राम पुत्र देवा गीर, निवासी ब्रआ, तहसील सांगला, जिला किन्नौर हि० प्र०

दरखास्त बाबत मकफूद उल खबरी

आदेश

श्री पुरन राम उपरोक्त ने इस अदालत में एक दरखास्त गुजार रखी है उसके साथ एक शपथ पत्र भी गुजार रखा है मकफूद उल खबरी की श्री दौलत राम, निवासी ब्रआ, तहसील सांगला जो लगभग 45 वर्षों से गुम है और रिश्तेदारों से कई बार पूछताछ करने पर भी कोई कोई पता नहीं है इस तरह से प्रतीत होता है कि दौलत राम अब इस दुनिया में जीवित नहीं है ।

अतः इस इशतहार के माध्यम से यदि किसी व्यक्ति को कोई एतराज हो तो वह अपना एतराज स्वयं या किसी प्राधिकृत एजेंट के माध्यम से इस अदालत में मिति 3-7-08 तक प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी ।

आज दिनांक 28-5-2008 को हस्ताक्षर मेरे व मोहर अदालत से जारी हुआ ।

मोहर ।

प्रेम सिंह दुलटा,
कार्यकारी दण्डाधिकारी सांगला,
जिला किन्नौर, (हि0 प्र0) ।

ब अदालत जनाब श्री प्रेम सिंह दुलटा, कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील सांगला, जिला किन्नौर, (हि0 प्र0)

केस नं0 त0 स0 (रीडर)/06

श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री शिव भगत, निवासी ग्राम सांगला, तह0 सांगला । . प्रार्थी ।

बनाम

सावित्री देवी पत्नी श्री भगत, निवासी व ग्राम सांगला । . . प्रत्यार्थीगण ।

दरखास्त जेर दफा 13(3) जन्म व मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

आदेश

श्री प्रदीप कुमार उपरोक्त ने इस अदालत में एक दरखास्त के साथ एक शपथ-पत्र गुजार रखा है कि श्रीमती सावित्री देवी पत्नी श्री शिव भगत, निवासी सांगला, तहसील सांगला, जिला किन्नौर हि0 प्र0 की है जो कि 14-7-07 को मृत्यु पा चूकि है जो कि ग्राम पंचायत सांगला में नाम खड़ा है अब पंचायत से नाम कटवाना चाहता है ।

अतः इस इशतहार के माध्यम से यदि किसी व्यक्ति को कोई एतराज है तो वह अपना एतराज स्वयं या किसी प्राधिकृत एजेंट के द्वारा अपना एतराज अदालत में तिथि 26-6-08 तक प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा एक तरफा कार्रवाई अमल में लाई जाकर उपरोक्त नाम काटने ग्राम पंचायत सम्बन्धित में आदेश पारित किये जाते हैं ।

आज मिति 19-5-08 को हस्ताक्षर मेरे व मोहर अदालत से जारी हुआ ।

मोहर ।

प्रेम सिंह दुलटा,
कार्यकारी दण्डाधिकारी सांगला,
जिला किन्नौर, (हि0 प्र0) ।

ब अदालत जनाब श्री प्रेम सिंह दुलटा, कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील सांगला, जिला किन्नौर, (हि0 प्र0)

केस नं0 त0 स0 (रीडर)/06

श्री सन्त राम पुत्र श्री मगलू राम, निवासी ग्राम व डाकघर रकछम, तहसील सांगला । . प्रार्थी ।

बनाम

आम जनता ।

दरखास्त जेर दफा 13(3) जन्म व मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

आदेश

श्री सन्त राम ने इस अदालत में एक दरखास्त के साथ एक शपथ-पत्र गुजार रखा है कि उसके बेटा/बेटी मनीषा का जन्म 11-9-1997 को हुआ है जोकि ग्राम पंचायत रकछम में दर्ज है या नहीं को अब पंचायत पंजी में दर्ज करवाना/करवानी चाहती है ।

अतः इस इशतहार के माध्यम से सर्वसाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त जन्म तिथि ग्राम पंचायत में दर्ज करने बारे किसी भी व्यक्ति को कोई एतराज है तो वह अपना एतराज स्वयं या किसी प्राधिकृत एजेंट के द्वारा अपना एतराज अदालत में तिथि 26-6-08 तक प्रस्तुत कर सकता है । अन्यथा एक तरफा कार्रवाई अमल में लाकर उपरोक्त जन्म तिथि ग्राम पंचायत सम्बन्धित में दर्ज करने के आदेश पारित किये जायेंगे ।

आज दिनांक 19-5-2008 को हस्ताक्षर मेरे व मोहर अदालत से जारी हुआ ।

मोहर ।

प्रेम सिंह दुल्टा,
कार्यकारी अधिकारी, तहसील सांगला,
जिला किन्नौर, (हि0 प्र0)।

ब अदालत सहायक समहर्ता प्रथम श्रेणी सांगला, तहसील सांगला, जिला किन्नौर, (हि0 प्र0)

केस नं0 त0 स0 (रीडर)/06

दिनांक :

श्री बदरी लाल पुत्र चन्द राम, निवासी ग्राम किल्बा, तहसील सांगला

. प्रार्थी ।

बनाम

श्री ध्याग नरगु पुत्र चन्द राम, निवासी किल्बा, तहसील सांगला

. . प्रत्यार्थीगण ।

सर्व साधारण जनता उप-महाल किल्बा मकफूद उल खबरी ध्याग नरगु, गाव किल्बा

हरगाह

श्री बदरी लाल उपरोक्त ने इस अदालत में एक दरखास्त के साथ शपथ-पत्र गुजार रखा है कि श्री ध्याग नरगु पुत्र चन्द राम, निवासी किल्बा, तहसील सांगला, जिला किन्नौर, हि0 प्र0 पिछले 10-11 सालों से लापता है तथा उन का इस दौरान किसी भी रिश्तेदारों से पत्राचार आदि नहीं हुआ है इस से प्रतीत होता है कि वह इस संसार में जीवित नहीं है तथा उनका विरास्त का इन्तकाल उनके जायज वारसान के नाम पर तस्दीक किया जावे ।

अतः ध्याग नरगु स्वयं तथा सर्वसाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि अगर ध्याग नरगु के विरास्त का इन्तकाल उनके जायज वारसान के नाम पर तस्दीक करने बारे किसी भी व्यक्ति को कोई एतराज

हो तो वह अपना एतराज तिथि 26-6-08 को अदालत में स्वयं या किसी भी प्राधिकृत एजेन्ट के द्वारा अपना एतराज पेश करे अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लायी जायेगी ।

आज दिनांक 19-5-2008 को हमारे मोहर व अदालत से जारी हुआ ।

मोहर ।

हस्ता०/—
सहायक समहर्ता प्रथम श्रेणी सांगला,
जिला किन्नौर, (हि० प्र०) ।

ब अदालत जनाब श्री प्रेम सिंह दुल्हा, कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील सांगला, जिला किन्नौर, (हि० प्र०)

केस नं० त० स० (रीडर)/०7

श्री भारत भूषण पुत्र नरेयण सिंह, निवासी कनेइ, तहसील सांगला ।

. प्रार्थी ।

बनाम

श्री जय पाल सिंह पुत्र कर्म सिंह, निवासी कनेइ, तहसील सांगला ।

दरखास्त बाबत मकफुद उल खबरी श्री जय पाल सिंह

आदेश

श्री भारत भूषण उपरोक्त ने इस अदालत में एक दरखास्त गुजार रखी है कि उसके चाचा मकफुल खबरी श्री जय पाल सिंह पुत्र कर्म सिंह लगभग 30 वर्षों से लापता है रिश्तेदारों से कई बार पूछताछ करने पर भी कहीं कोई पता नहीं मिला और इससे प्रतीत होता है कि श्री जय पाल सिंह इस संसार में जीवित नहीं है ।

अतः इस इश्तहार के माध्यम से यदि किसी व्यक्ति अथवा किसी प्राधिकृत एजेन्ट को कोई एतराज होतो वह अपना एतराज मिति 30-6-08 तक प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी ।

आज दिनांक 28-5-2008 को हस्ताक्षर मेरे व मोहर अदालत से जारी हुआ ।

मोहर ।

प्रेम सिंह दुल्हा,
कार्यकारी दण्डाधिकारी सांगला,
जिला किन्नौर, (हि० प्र०) ।

ब अदालत जनाब श्री प्रेम सिंह दुल्हा, कार्यकारी दण्डाधिकारी सांगला, जिला किन्नौर (हि० प्र०)

केस नं० त० स० (रीडर)/०6

श्रीमती बिमला देवी पत्नी दौलत राम, निवासी ग्राम सांगला, जिला किन्नौर

. प्रार्थी ।

बिमला देवी

बनाम

आम जनता सांगला ।

दरखास्त जेर दफा 13(3) जन्म व मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

आदेश

श्री रतन सुख उपरोक्त ने अदालत में एक शपथ-पत्र गुजार रखा है कि उसकी बेटी बिमला देवी की जन्म तिथि 17-6-1974 है जो कि ग्राम पंचायत सांगला में दर्ज है या नहीं को अब पंचायत पंजी में दर्ज करवाना चाहता है ।

अतः इस इशतहार के माध्यम से सर्वसाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त जन्म तिथि ग्राम पंचायत में दर्ज करने बारे किसी भी व्यक्ति को कोई एतराज हो तो वह अपना एतराज स्वयं या किसी भी व्यक्ति या प्राधिकृत एजेंट के द्वारा अपना एतराज अदालत में मिति 30-6-08 तक प्रस्तुत कर सकता है । अन्यथा एक तरफा कार्रवाई अमल में लाई जाकर उपरोक्त जन्म ग्राम पंचायत सम्बन्धित में दर्ज करने के आदेश पारित किये जायेंगे ।

आज दिनांक 28-5-2008 को हस्ताक्षर मेरे व मोहर अदालत से जारी हुआ ।

मोहर ।

प्रेम सिंह दुल्टा,
कार्यकारी दण्डाधिकारी सांगला,
जिला किन्नौर, (हि0 प्र0) ।

ब अदालत जनाब श्री प्रेम सिंह दुल्टा, कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील सांगला, जिला किन्नौर, (हि0 प्र0)

केस नं0 त0 स0 (रीडर) / 06

बिमला देवी पत्नी दौलत राम, निवासी सांगला, तहसील सांगला, जिला किन्नौर . प्रार्थी ।

बिमला देवी

बनाम

आम जनता सांगला ।

दरखास्त जेर दफा 13(3) जन्म व मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

आदेश

बिमला देवी उपरोक्त ने इस अदालत में एक दरखास्त के साथ शपथ-पत्र गुजार रखा है कि उसके बेटा/बेटी शिव कुमारी का जन्म 1-10-1990 को व पुत्र ज्ञान सिंह का जन्म 10-1-1993 जो कि ग्राम पंचायत सांगला में दर्ज है या नहीं है को अब पंचायत पंजी में दर्ज करवाना/करवानी चाहती है ।

अतः इस इशतहार के माध्यम से सर्वसाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त जन्म तिथि ग्राम पंचायत में दर्ज करने बारे किसी भी व्यक्ति को कोई एतराज हो तो वह अपना एतराज स्वयं या किसी प्राधिकृत एजेंट के द्वारा अपना एतराज अदालत में तिथि 28-6-08 तक प्रस्तुत कर सकता है । अन्यथा

एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर उपरोक्त जन्म तिथि ग्राम पंचायत सम्बन्धित में दर्ज करने के आदेश पारित किये जायेंगे ।

आज दिनांक मिति 28-5-2008 को हस्ताक्षर मेरे व मोहर अदालत से जारी हुआ ।

मोहर ।

प्रेम सिंह दुल्हा,
कार्यकारी दण्डाधिकारी सांगला,
जिला किन्नौर, (हि0 प्र0) ।

ब अदालत श्री अश्वनी राज शाह, उप-मण्डल दण्डाधिकारी ठियोग, जिला शिमला (हि0 प्र0)

श्रीमती सुनीता देवी पुत्री श्री रामा नन्द, ग्राम बतोग, ग्राम पंचायत देवरीघाट, तहसील ठियोग
.. प्रार्थीया ।

बनाम

आम जनता .. प्रत्यार्थी ।

आवेदन-पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

इशतहार

श्रीमती सुनीता देवी पुत्री श्री रामा नन्द, ग्राम बतोग, ग्राम पंचायत देवरीघाट, तहसील ठियोग, जिला शिमला (हि0 प्र0) ने स्वयं सुनीता देवी की जन्म तिथि 12-5-1972 तथा अपने पुत्र राहुल जिसकी जन्म तिथि 24-1-1993 व विनय की जन्म तिथि 3-3-1995 तथा पुत्री कुमारी रशमी कि जन्म तिथि 3-3-1995 की है को परिवार रजिस्टर ग्राम पंचायत देवरीघाट में दर्ज करवाने हेतु प्रार्थना-पत्र गुजार रखा है ।

अतः इस इशतहार के माध्यम से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि इस बारा किसी व्यक्ति अथवा रिश्तेदार को कोई एतराज हो तो वह दिनांक 4-7-2008 को प्रातः 10.00 बजे हाजिर अदालत आकर अपना एतराज पेश करे अन्यथा दीगर कार्यवाही अमल में लाई जाएगी ।

आज दिनांक 30-5-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी किया गया ।

मोहर ।

अश्वनी राज शाह,
उप-मण्डल दण्डाधिकारी ठियोग,
जिला शिमला (हि0 प्र0) ।

ब अदालत श्री अश्वनी राज शाह, उप-मण्डल दण्डाधिकारी ठियोग, जिला शिमला (हि0प्र0)

श्रीमती रोनकी देवी पत्नी श्री मनोहर, ग्राम धुण्डा, ग्राम पंचायत हिमरी, तहसील कोटखाई .. प्रार्थीया ।

बनाम

आम जनता .. प्रत्यार्थी ।

आवेदन-पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

इश्तहार

श्रीमती रोनकी देवी पत्नी श्री मनोहर, ग्राम धुण्डा, ग्राम पंचायत हिमरी, तहसील कोटखाई, जिला शिमला (हि0 प्र0) ने अपनी पुत्री कुमारी नेहा जिसकी जन्म तिथि 21-3-2001 की है को परिवार रजिस्टर ग्राम पंचायत हिमरी में दर्ज करवाने हेतु प्रार्थना-पत्र गुजार रखा है।

अतः इस इश्तहार के माध्यम से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि इस बारा किसी व्यक्ति अथवा रिश्तेदार को कोई एतराज हो तो वह दिनांक 4-7-2008 को प्रातः 10.00 बजे हाजिर अदालत आकर अपना एतराज पेश करे अन्यथा दीगर कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 30-5-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी किया गया।

मोहर।

अश्वनी राज शाह,
उप-मण्डल दण्डाधिकारी ठियोग,
जिला शिमला (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री अश्वनी राज शाह, उप-मण्डल दण्डाधिकारी ठियोग, जिला शिमला (हि0 प्र0)

श्रीमती रोनकी देवी पत्नी श्री मनोहर, ग्राम धुण्डा, ग्राम पंचायत हिमरी, तहसील कोटखाई . . प्रार्थीया।

बनाम

आम जनता

. . प्रत्यार्थी।

आवेदन-पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

इश्तहार

श्रीमती रोनकी देवी पत्नी श्री मनोहर, ग्राम धुण्डा, ग्राम पंचायत हिमरी, तहसील कोटखाई, जिला शिमला (हि0 प्र0) ने अपनी पुत्री कुमारी निकिता की जन्म तिथि 9-6-2003 की है को परिवार रजिस्टर ग्राम पंचायत हिमरी में दर्ज करवाने हेतु प्रार्थना-पत्र गुजार रखा है।

अतः इस इश्तहार के माध्यम से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि इस बारा किसी व्यक्ति अथवा रिश्तेदार को कोई एतराज हो तो वह दिनांक 4-7-2008 को प्रातः 10.00 बजे हाजिर अदालत आकर अपना एतराज पेश करे अन्यथा दीगर कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 30-5-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी किया गया।

मोहर।

अश्वनी राज शाह,
उप-मण्डल दण्डाधिकारी ठियोग,
जिला शिमला (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री अश्वनी राज शाह, उप-मण्डल दण्डाधिकारी ठियोग, जिला शिमला (हि0प्र0)

श्रीमती अनीता पत्नी श्री शशि कुमार, ग्राम बजोआ, तहसील कोटखाई . . प्रार्थीया ।

बनाम

आम जनता . . प्रत्यार्थी ।

आवेदन-पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

इश्तहार

श्रीमती अनीता पत्नी श्री शशि कुमार, ग्राम बजोआ, तहसील कोटखाई, जिला शिमला (हि0 प्र0) ने अपनी पुत्री शाक्षि जिसकी जन्म तिथि 17-5-2006 की है को परिवार रजिस्टर नगर परिषद ठियोग में दर्ज करवाने हेतु प्रार्थना-पत्र गुजार रखा है ।

अतः इस इश्तहार के माध्यम से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि इस बारा किसी व्यक्ति अथवा रिश्तेदार को कोई एतराज हो तो वह दिनांक 4-7-2008 को प्रातः 10.00 बजे हाजिर अदालत आकर अपना एतराज पेश करे अन्यथा दीगर कार्यवाही अमल में लाई जाएगी ।

आज दिनांक 30-5-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी किया गया ।

मोहर ।

अश्वनी राज शाह,
उप-मण्डल दण्डाधिकारी ठियोग,
जिला शिमला (हि0 प्र0) ।

ब अदालत श्री अश्वनी राज शाह, उप-मण्डल दण्डाधिकारी ठियोग, जिला शिमला (हि0प्र0)

श्री हरीश कुमार पुत्र श्री रुप सिंह, ग्राम गनैणा, ग्राम पंचायत मुण्डू, तहसील ठियोग . . प्रार्थी ।

बनाम

आम जनता . . प्रत्यार्थी ।

नाम की दुरुस्ती बारे प्रार्थना-पत्र ।

इश्तहार

श्री हरीश कुमार पुत्र श्री रुप सिंह, ग्राम गनैणा, ग्राम पंचायत मुण्डू, तहसील ठियोग, जिला शिमला (हि0 प्र0) ने अपने नाम हेम राज की जगह हरीश कुमार रखना चाहता है । इसलिए परिवार रजिस्टर ग्राम पंचायत मुण्डू में हेम राज का नाम तबदील करके हरीश कुमार रखने बारे आवेदन-पत्र गुजार रखा है ।

अतः इस इश्तहार के माध्यम से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि इस बारा किसी व्यक्ति अथवा रिश्तेदार को कोई एतराज हो तो वह दिनांक 4-7-2008 को प्रातः 10.00 बजे हाजिर अदालत आकर अपना एतराज पेश करे अन्यथा दीगर कार्यवाही अमल में लाई जाएगी ।

आज दिनांक 30-5-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी किया गया।

मोहर।

अश्वनी राज शाह,
उप-मण्डल दण्डाधिकारी ठियोग,
जिला शिमला (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री अश्वनी राज शाह, उप-मण्डल दण्डाधिकारी ठियोग, जिला शिमला (हि0प्र0)

श्री हिरा सिंह पुत्र श्री करम चन्द, ग्राम चकरोत, ग्राम पंचायत महासू, तहसील कोटखाई . . प्रार्थी।

बनाम

आम जनता . . प्रत्यार्थी।

नाम की दुरुस्ती बारे प्रार्थना-पत्र।

इशतहार

श्री हिरा सिंह पुत्र श्री करम चन्द, ग्राम चकरोत, ग्राम पंचायत महासू, तहसील कोटखाई, जिला शिमला (हि0 प्र0) ने अपनी पुत्री श्याम कली से तवदील करके रचना चौहान रखना चाहता है। अतः प्रार्थी ने परिवार रजिस्टर ग्राम पंचायत महासू में अपनी पुत्री श्याम कली से रचना चौहान रखने बारे आवेदन-पत्र गुजार रखा है।

अतः इस इशतहार के माध्यम से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि इस बारा किसी व्यक्ति अथवा रिश्तेदार को कोई एतराज हो तो वह दिनांक 4-7-2008 को प्रातः 10.00 बजे हाजिर अदालत आकर अपना एतराज पेश करे अन्यथा दीगर कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 30-5-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी किया गया।

मोहर।

अश्वनी राज शाह,
उप-मण्डल दण्डाधिकारी ठियोग,
जिला शिमला (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री अश्वनी राज शाह, उप-मण्डल दण्डाधिकारी ठियोग, जिला शिमला (हि0प्र0)

श्री बीटू पुत्र श्री लच्छू, ग्राम गौण, ग्राम पंचायत सरोग, तहसील ठियोग . . प्रार्थी।

बनाम

आम जनता . . प्रत्यार्थी।

नाम तवदील करने बारे दुरुस्ती प्रार्थना-पत्र।

इशतहार

श्री बीटू पुत्र श्री लच्छू ग्राम गौण, ग्राम पंचायत सरोग, तहसील ठियोग, जिला शिमला (हि० प्र०) ने अपना नाम राम लाल से तबदील करके बिटू रखना चाहता है। अतः प्रार्थी ने परिवार रजिस्टर ग्राम पंचायत सरोग में अपना नाम राम लाल से बदल कर बिटू रखने बारे आवेदन-पत्र गुजार रखा है।

अतः इस इश्तहार के माध्यम से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि इस बारा किसी व्यक्ति अथवा रिश्तेदार को कोई एतराज हो तो वह दिनांक 4-7-2008 को प्रातः 10.00 बजे हाजिर अदालत आकर अपना एतराज पेश करे अन्यथा दीगर कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 30-5-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी किया गया।

मोहर।

अश्वनी राज शाह,
उप-मण्डल दण्डाधिकारी ठियोग,
जिला शिमला (हि० प्र०)।

व न्यायालय एन० के० लठ (हि० प्र० से०) उप-मण्डल दण्डाधिकारी भरमौर, जिला चम्बा (हि० प्र०)

सुविधा देवी पत्नी श्री प्रीतम चन्द, निवासी पंजसेई, डाकघर धरेड, तहसील भरमौर, जिला चम्बा।

बनाम

आम जनता

प्रार्थना—पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्रीमती सुविधा देवी पत्नी श्री प्रीतम चन्द, निवासी पंजसेई, डाकघर धरेड, तहसील भरमौर, जिला चम्बा ने इस न्यायालय में शपथ-पत्र के साथ प्रार्थना-पत्र दिया है कि उसका लड़का राजेश कुमार जिसकी जन्म तिथि 14-8-2004 है पंचायत अभिलेख धरेड में दर्ज नहीं है अब दर्ज करने बारे न्यायालय से अनुरोध किया है।

अतः इस इश्तहार द्वारा सर्वसाधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त राजेश कुमार पुत्र प्रीतम चन्द के नाम व जन्म तिथि अभिलेख धरेड में दर्ज करने बारे किसी को कोई उजर/एतराज हो तो वह इश्तहार के जारी होने के एक माह के भीतर अपना उजर/एतराज असालतन या वकालतन इस न्यायालय में पेश कर सकता है अन्यथा आगामी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

इश्तहार आज दिनांक 28-5-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

एन० के० लठ,
(हि० प्र० से०) उप-मण्डल दण्डाधिकारी,
भरमौर, जिला चम्बा (हि० प्र०)।

व न्यायालय एन० के० लठ (हि० प्र० से०) उप-मण्डल दण्डाधिकारी भरमौर, जिला चम्बा (हि० प्र०)

लब्धी राम पुत्र श्री दुनी चन्द, निवासी धरेड, डाकघर धरेड, तहसील भरमौर, जिला चम्बा।

बनाम

आम जनता

प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री लब्धी राम पुत्र श्री दुनी चन्द, निवासी धरेड, डाकघर थरेड, तहसील भरमौर, जिला चम्बा ने इस न्यायालय में शपथ-पत्र के साथ प्रार्थना-पत्र दिया है कि उसका लड़का कपिल चौहान जन्म तिथि 2-8-2004 है पंचायत अभिलेख धरेड में दर्ज नहीं है अब दर्ज करने बारे न्यायालय से अनुरोध किया है।

अतः इस इशतहार द्वारा सर्वसाधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त कपिल चौहान के नाम व जन्म तिथि पंचायत अभिलेख धरेड में दर्ज करने बारे किसी को कोई उजर/एतराज हो तो वह इशतहार के जारी होने के एक माह के भीतर अपना उजर/एतराज असालतन या वकालतन इस न्यायालय में पेश कर सकता है अन्यथा आगामी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

इशतहार आज दिनांक 29-5-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

एन0 के0 लठ,
(हि0 प्र0 से0) उप-मण्डल दण्डाधिकारी,
भरमौर, जिला चम्बा (हि0 प्र0)।

व अदालत सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, भटियात, जिला चम्बा (हि0 प्र0)

मिसल नं0 3/2008

तिथि 11-4-2008

तारीख पेशी

20-6-2008

चैन सिंह पुत्र श्री गंगा राम, निवासी गांव व मुहाल वलाणा, उप-तहसील सियुन्ता

बनाम

1. रणो पुत्र श्री मोहर सिंह, गांव व मुहाल वलाणा, 2. श्री ओंकार सिंह पुत्र श्री मोहर सिंह, गांव व मुहाल वलाणा, 3. श्री प्रीतम सिंह पुत्र श्री मोहर सिंह, गांव व मुहाल वलाणा, 4. श्रीमती राजदेई पुत्री श्री मोहर सिंह, गांव व मुहाल वलाणा, 5. सेवा पुत्री श्री मोहर सिंह, गांव व मुहाल वलाणा, 6. सुदर्शना पुत्री श्री मोहर सिंह, गांव व मुहाल वलाणा।

प्रार्थना-पत्र दुरुस्ती इन्द्राज जेर धारा 123 (हि0 प्र0) भू-राजस्व अधिनियम, 1953 (Act No. 6 of 54) बावत खतौनी नं. 37/55 मिन ख0 नं0 794, 809, 816 कित्ता 3 रकवा तादादी 3-16 बीघा व खाता खतौनी नं0 40/59 खसरा नं0 1091/527, 1094/529 कित्ता-2 रकवा तादादी 5-14 बीघा मौजा व वलाणा प्र0 माई टिकरी, उप-तहसील सियुन्ता, जिला चम्बा।

प्रार्थी ने इस न्यायालय में भूमि खाता नं0 37/55 मिन खसरा नं0 794,809,816 कित्ता-3 रकवा तादादी 3-16 व खाता खतौनी नं0 40/59 खसरा नं0 1091/527, 1094/529 कित्ता-2 रकवा तादादी 5-14 वाक्या मौजा मौतला, उप-तहसील सियुन्ता ने दुरुस्ती इन्द्राज हेतु प्रार्थना-पत्र दिया है कि फरीकदोयम श्रीमती राजदेई पुत्री श्री मोहर सिंह, निवासी वलाणा अर्सा 25-30 साल से लापता है जिस की बजह से समन की तामील साधारण तरीके से नहीं हो रही है। अतः उपरोक्त फरीकदोयम का इन्द्राज द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि उन्हे उक्त दुरुस्ती इन्द्राज बारा कोई उजर/एतराज हो तो असालतन या वकालतन दिनांक 20-6-2008 को प्रातः 10.00 बजे मुकाम सियुन्ता में पेश हो सकती है नहीं तो एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 23-5-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/-
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी,
भटियात, जिला चम्बा (हि0 प्र0)।

ब अदालत तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता, प्रथम श्रेणी सुजानपुर, तहसील सुजानपुर, जिला हमीरपुर
(हि0 प्र0)

केस नम्बर
31 / 07

तारीख सुनवाई
22-7-20008

श्री किशोरी लाल पुत्र श्री वल्लो राम, टीका कंगरी, मौजा चवुतरा, तहसील सुजानपुर, जिला हमीरपुर
(हि0 प्र0)।

बनाम

1. श्री रोशन लाल, 2. श्री कश्मीर सिंह पुत्रगण श्री मलागर, 3. श्री कुलबन्त सिंह, 4. अशोक कुमार, 5. श्री सुनील कुमार पुत्रयान श्री रोशन लाल, टीका कंगरी, मौजा चवुतरा, तहसील सुजानपुर।

प्रार्थना-पत्र बराये तकसीम अराजी खाता नम्बर 10, किता 13, रकवा तादादी 31 कनाल, टीका कंगरी, मौजा चवुतरा, तहसील सुजानपुर।

श्री किशोरी लाल पुत्र श्री वल्लो राम, प्रार्थी ने उपरोक्त भूमि की तकसीम के लिए इस अदालत में एक प्रार्थना-पत्र दे रखा है। इस अदालत द्वारा कुलबन्त सिंह, अशोक कुमार, सुनील कुमार फरीकदोयम को कई बार सम्मन जारी किये गये। मगर इन पर सम्मन की तामिल हस्व जाब्ता न हो रही है। मुताबिक रिपोर्ट तामिल कुन्निदा यह कहीं दूसरी जगह रिहायश करते हैं। प्रार्थी का कहना है कि उसे उनका पता नहीं मिल रहा है। इसलिए उसने गुजारिश की है कि इन्हें बजरिया इश्तहार तलव किया जाये। इस अदालत को विश्वास हो चुका है कि उपरोक्त फरीकदोयम पर साधारण तरीके से सम्मन की तामिल नहीं हो सकती है।

अतः उपरोक्त फरीकदोयम को इस इश्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि अगर इन्हें उपरोक्त अराजी की तकसीम बारा कोई एतराज हो तो वह दिनांक 22-7-2008 को सुबह 10.00 बजे इस अदालत में असातलन या वकातलन हाजिर आकर मुकदमा की पैरवी करे अन्यथा गैरहाजरी की सूरत में एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

आज दिनांक 16-5-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित / -
तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता,
प्रथम श्रेणी सुजानपुर, तहसील सुजानपुर,
जिला हमीरपुर (हि0 प्र0)।

ब अदालत तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता, प्रथम श्रेणी सुजानपुर, तहसील सुजानपुर, जिला हमीरपुर
(हि0 प्र0)

केस नम्बर
22 / 07

तारीख सुनवाई
18-7-20008

श्री चुहडू राम पुत्र श्री लाभा, टीका कंजोटी, मौजा करोट, तहसील सुजानपुर, जिला हमीरपुर
(हि0 प्र0)।

बनाम

1. श्री रगील सिंह, 2. जसवन्त सिंह पुत्राण श्री लच्छमण, 3. श्री रविन्द्र सिंह, 4. सुरेन्द्र सिंह पुत्रगण श्री ज्ञान चन्द, 5. माया देवी पुत्री श्री ज्ञान चन्द, 6. श्री रिखी राम पुत्र श्री किस्तु राम, 7. दलीप सिंह पुत्र श्री वचित्र सिंह, 8. सुनीता देवी, 9. सैना देवी पुत्रीयान बचित्र सिंह, 10. कुण्डला देवी बेवा श्री वचित्र सिंह, 11. चंचलो देवी बेवा वचित्र सिंह, टीका खरसाल, मौजा भलेठ, तहसील सुजानपुर।

प्रार्थना-पत्र बराये तकसीम अराजी खाता नम्बर 38, खसरा नं० 596/33, रकवा वा० 2 कनाल, 1 मरला, टीका खरसाल, मौजा भलेठ, तहसील सुजानपुर।

श्री चुहड़ू राम पुत्र श्री लाभा, प्रार्थी ने उपरोक्त भूमि की तकसीम के लिए इस अदालत में एक प्रार्थना-पत्र दे रखा है। इस अदालत द्वारा रविन्द्र सिंह, सुरेन्द्र सिंह फरीकदोयम को कई बार सम्मन जारी किये गये। मगर इन पर सम्मन की तामिल हस्व जावता न हो रही है। मुताबिक रिपोर्ट तामिल कुन्निदा यह कहीं दूसरी जगह रिहायश करते हैं। प्रार्थी का कहना है कि उसे उनका पता नहीं मिल रहा है। इसलिए उसने गुजारिश की है कि इन्हें बजरिया इश्तहार तलव किया जाये। इस अदालत को विश्वास हो चुका है कि उपरोक्त फरीकदोयम पर साधारण तरीके से सम्मन तामिल नहीं हो सकती है। अतः उपरोक्त फरीकदोयम को इस इश्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि अगर इन्हें उपरोक्त अराजी की तकसीम बारा कोई एतराज हो तो वह दिनांक 18-7-2008 को सुबह 10.00 बजे इस अदालत में असातलन या वकातलन हाजिर आकर मुकदमा की पैरवी करे अन्यथा गैरहाजरी की सूरत में एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

आज दिनांक 17-5-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/—

तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता,
प्रथम श्रेणी सुजानपुर, तहसील सुजानपुर,
जिला हमीरपुर (हि० प्र०)।

